▪ श्रावण कृष्ण - 12 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 11 ▪ अंक - 22 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 13-08-2023 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 विराट कोहली ने सोशल मीडिया पर अपनी कमाई की खबरों का खंडन किया
6 कैप्टन दिलीप कुमार झाः खेल का मैदान हो या सरहद पर मुठभेड़, वे हमेशा रहे 'कैप्टन'
7 सपनों का प्रदेश बनाना है तो नशा मुक्ति अभियान से जुड़ना होगा : आदित्यनाथ

अब मिल रहा दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों को उचित सम्मान : मोदी

प्रधानमंत्री ने मध्य प्रदेश में संत रविदास के मंदिर सह स्मारक का शिलान्यास किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सागर (मध्य प्रदेश)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार के शासनकाल में दलितों, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और आदिवासियों को उचित सम्मान मिल रहा है जबकि पिछली सरकारों नेइन वर्गों की उपेक्षा की और उन्हें केवल चुनावों के दौरान याद किया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पिछली सरकारें गरीबों को पानी उपलब्ध कराने में विफल रहीं जबकि उनकी सरकार के दौरान जल जीवन मिशन के कारण दलित बस्तियों, पिछड़े इलाकों और आदिवासी क्षेत्रों को अब नल से जल मिल रहा है।

प्रधानमंत्री ने सागर जिले के बडतूमा में समाज सुधारक और कवि संत रविदास के 100 करोड़ रुपए की लागत वाले मंदिर-सह-स्मारक के निर्माण के लिए भूमि पूजन और आधारशिला रखने के बाद मध्य प्रदेश के सागर जिले के ढाना गांव में एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित किया। भूमि पूजन के बाद मोदी ने संत रविदास की मूर्ति के सामने हाथ जोड़कर प्रणाम किया। समारोह में उन्होंने आगामी स्मारक-सह-मंदिर के लघु मॉडल का भी निरीक्षण किया।

प्रधानमंत्री ने कहा, संतों की कृपा से कुछ देर पहले मुझे इस पवित्र स्मारक के भूमि पूजन का पुण्य अवसर मिला है। पूज्य संत रविदास जी के आशीर्वाद से मैं विश्वास से कहता हूं कि आज मैंने शिलान्यास किया है, एक-डेढ़ साल के बाद मंदिर बन जाएगा तो लोकार्पण के लिए भी मैं जरुर आऊंगा और संत रविदास जी मुझे यहां अगली बार आने का मौका देने ही वाले हैं।

'मतदान से डर कर विपक्ष भाग खड़ा हुआ'

नई दिल्ली/वार्ता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पराजित करने के बाद आज फिर विपक्ष पर प्रहार किया और कहा कि विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान से डर गया था और चर्चा के बीच ही सदन छोड़ कर भाग गया। मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से पश्चिम बंगाल में क्षेत्रीय पंचायती राज परिषद को संबोधित करते हुए कहा कि केन्द्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के खिलाफ विपक्ष द्वारा पेश किया गया अविश्वास प्रस्ताव लोकसभा में गिर गया। स्थिति ऐसी हो गई कि विपक्ष के लोग चर्चा के बीच में ही सदन छोड़कर भाग गए। सच्चाई तो यह है कि वे अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान से डर रहे थे। मोदी ने कहा कि देश ने अविश्वास प्रस्ताव पर बहस से विपक्ष के भटकते हुए देखा। उन्होंने कहा, यह निराशाजनक है कि इन व्यक्तियों ने मणिपुर के लोगों को बहुत निराश किया। शुरू से ही, सरकार ने मणिपुर पर एक समर्पित और केंद्रित चर्चा की मांग की।

दिल्ली सेवा विधेयक समेत सात नए कानूनों को राष्ट्रपति की मंजूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसद द्वारा इस सप्ताह पारित दिल्ली में सेवाओं के मामले के नियंत्रण से संबंधित विधेयक सहित सात नए कानून राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिलने के बाद शनिवार को लागू हो गए। जो कानून लागू हो गए हैं, उनमें जन विश्वास (प्रावधानों का संशोधन) अधिनियम, 2023; राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) अधिनियम, 2023; डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023; जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) अधिनियम, 2023 शामिल हैं। इनमें भारतीय प्रबंधन संस्थान (संशोधन) अधिनियम, 2023; राष्ट्रीय दंत चिकित्सा आयोग अधिनियम, 2023 और अपतटीय क्षेत्र खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन अधिनियम, 2023 भी शामिल हैं। इन अधिनियमों से संबंधित गजट अधिसूचना जारी कर दी गई है।

पिछले सप्ताह भी, संसद द्वारा पारित होने के बाद राष्ट्रपति की मंजूरी दिए जाने के बाद सात नए कानून प्रभावी हो गए।

जेनेरिक दवाएं नहीं लिखने वाले डॉक्टरों के खिलाफ होगी दंडात्मक कार्रवाई : एनएमसी

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) ने नए नियम जारी कर कहा है कि सभी चिकित्सक जेनेरिक दवाएं ही लिखें और अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जा सकती है। आयोग के अनुसार दंडात्मक कार्रवाई के तहत एक तय समय तक लाइसेंस भी निलंबित किया जा सकता है।

एनएमसी ने अपने 'पंजीकृत चिकित्सकों के लिए पेशेवर आचार संबंधी नियमन' में चिकित्सकों से कहा है कि वे ब्रांडेड जेनेरिक दवाएं भी लिखने से बचें।

भारतीय चिकित्सा परिषद द्वारा 2002 में जारी किए गए नियमों के अनुरूप मौजूदा समय में भी चिकित्सकों के लिए जेनेरिक दवाएं लिखना आवश्यक है, हालांकि इसमें दंडात्मक कार्रवाई का उल्लेख नहीं था।

एनएमसी द्वारा दो अगस्त को अधिसूचित नियमों में कहा गया कि भारत सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा पर होने वाले व्यय का बड़ा हिस्सा दवाओं पर खर्च कर रहा है।

फर्स्ट टेक

अनवर-उल-हक काकर पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री

इस्लामाबाद/वार्ता। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने शनिवार को सीनेटर अनवर-उल-हक काकर की कार्यवाहक प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्ति को मंजूरी दे दी। राष्ट्रपति भवन मीडिया विंग की ओर से जारी बयान के मुताबिक अल्वी ने पाकिस्तान के संविधान के अनुच्छेद 224(1ए) के तहत इस नियुक्ति को मंजूरी दी है। इससे पहले पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने संसद के निचले सदन में विपक्ष के नेता राजा रियाज़ के साथ विस्तृत विचार-विमर्श के बाद इस आशय का एक सारांश अनुमोदन के लिए राष्ट्रपति को भेजा था।

इस्लामिक स्टेट ने सीरिया में हमले की जिम्मेदारी ली

बेरूत/एपी। इस्लामिक स्टेट समूह ने पूर्वी सीरिया में घात लगाकर हमला करने और दर्जनों सैनिकों को घायल करने की जिम्मेदारी ली है। वहीं, विपक्षी कार्यकर्ताओं ने कहा कि शनिवार को मृतकों की संख्या बढ़कर कम से कम 33 हो गई है क्योंकि हमले में घायल कई अन्य की मौत हो गई है। सीरिया में चरमपंथी संगठन द्वारा इस साल किया गया सबसे घातक हमलों में से है। आईएस के गोपनीय दस्ते ने 2019 में सीरिया में संगठन की हार होने के बाद से हमलों को अंजाम दे रहे हैं। संगठन ने शुक्रवार रात को जारी बयान में कहा कि आईएस के लड़ाकों ने सीरिया के पूर्वी प्रांत दीर-अल-जोर में विभिन्न तरह के हथियारों से घात लगाकर सेना के दो ट्रक पर हमला किया। आईएस ने दावा किया कि उसके इस हमले में सीरिया के 40 सैनिक मारे गए हैं जबकि 10 अन्य घायल हुए हैं।

भारत और यूएई की नौसेना ने सैन्य अभ्यास किया

नई दिल्ली/भाषा। भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की नौसेना ने समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में आपसी सहयोग को बढ़ावा देने के प्रयास के तहत सैन्य अभ्यास किया। भारतीय नौसेना के पोत 'आईएनएस विशाखापत्तनम' और 'आईएनएस त्रिकंद' ने इस अभ्यास में हिस्सा लिया। ये पोत आठ अगस्त को दुबई के रशीद बंदरगाह पहुंचे। भारतीय नौसेना ने कहा कि दो दिन की विस्तृत योजना के बाद दोनों नौसेनाओं ने आज द्विपक्षीय समुद्री साझेदारी अभ्यास का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य दोनों नौसेनाओं के बीच तालमेल को बढ़ाना है। कैप्टन अशोक राव की कमान वाला 'आईएनएस विशाखापत्तनम' भारतीय नौसेना का एक सक्रिय विध्वंसक पोत है। स्वदेश निर्मित इस युद्धपोत को मझगांव डॉक लिमिटेड में बनाया गया है।

सूर्यास्त 13-08-2023	सूर्योदय 14-08-2023
6:31 बजे	5:56 बजे

BSE	NSE
65,322.65	19,428.30
(-365.53)	(-114.80)

सोना	चांदी
6,183 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	77,300 रु. प्रति किलो

भारत ने चौथी बार जीती एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/वार्ता। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी 2023 के सांस रोक देने वाले फाइनल में शनिवार को पिछड़कर वापसी करते हुए मलेशिया पर 4-3 की यादगार जीत दर्ज की।

भारत ने नौंवे मिनट में जुगराज सिंह के गोल से खाता खोला, लेकिन अबू कमाल (14वां मिनट), राज़ी रहीम (18वां मिनट) और मोहम्मद अमीनुद्दीन (28वां मिनट) ने एक-एक गोल जमाकर हाफ टाइम तक मलेशिया को 3-1 की बढ़त दिला दी। हरमनप्रीत सिंह (45वां मिनट) और गुरजंत सिंह (45वां मिनट) ने तीसरे क्वार्टर के आखिरी क्षणों में गोल जमाकर भारत की वापसी करवाई। अंततः, 56वें मिनट में आकाशदीप सिंह का गोल भारत की जीत में निर्णायक साबित हुआ।

एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी की सबसे सफल टीम भारत ने चौथी बार यह खिताब जीता है, जबकि इससे पहले वह 2011, 2016 और 2018 में भी चैंपियन रह चुका है।

आर्थिक अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई में सहयोग बढ़ाएं जी-20 देश : भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जी 20 देशों का आज आह्वान किया कि वे भ्रष्टाचार करके विदेश भागने वाले आर्थिक अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई, उनके प्रत्यर्पण और देश विदेश में उनकी संपत्ति की जब्ती सुनिश्चित करने के लिए सहयोग बढ़ाने के उपाय करें।

मोदी ने कोलकाता में आयोजित जी-20 भ्रष्टाचार विरोधी मंत्रिस्तरीय बैठक को वीडियो संदेश के जरिए संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने नोबेल पुरस्कार विजेता गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर के शहर, कोलकाता में गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह पहली बार है जब जी-20 भ्रष्टाचार-विरोधी मंत्रिस्तरीय बैठक वास्तविक तरीके से हो रही है। टैगोर के लेखन का जिक्र करते हुए, प्रधानमंत्री ने लालच के प्रति आगाह करते हुए कहा कि यह हमें सच्चाई का अनुभव करने से रोकता है। उन्होंने प्राचीन भारतीय उपनिषदों का भी उल्लेख किया, जो 'मा गृधा' का संदेश देते हैं, जिसका अर्थ 'कोई लालच न हो' है।

प्रधानमंत्री ने इस तथ्य को रेखांकित किया कि भ्रष्टाचार का सबसे अधिक प्रभाव गरीबों और हाशिए पर रहने वाले लोगों पर पड़ता है। उन्होंने आगे कहा कि यह संसाधनों के उपयोग को प्रभावित करता है, बाजारों को विकृत करता है, सेवा वितरण पर असर डालता है और अंत में लोगों के जीवन की गुणवत्ता को कम करता है।

कौटिल्य के अर्थशास्त्र को उद्धृत करते हुए मोदी ने कहा कि अपने लोगों का अधिकतम कल्याण सुनिश्चित करने के लिए राज्य के संसाधनों को बढ़ाना सरकार का कर्तव्य है। उन्होंने इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए भ्रष्टाचार से निपटने की जरूरत पर जोर दिया और कहा कि यह अपने लोगों के प्रति सरकार का पवित्र कर्तव्य है।

प्रधानमंत्री ने कहा, भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की सख्त नीति है। उन्होंने कहा कि भारत एक पारदर्शी और जवाबदेह इकोसिस्टम बनाने के लिए प्रौद्योगिकी तथा ई-गवर्नेंस का लाभ उठा रहा है। उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि कल्याणकारी योजनाओं और सरकारी परियोजनाओं में गड़बड़ियों एवं कमियों को दूर किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इसके परिणामस्वरूप भारत में करोड़ों लोगों को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के जरिए उनके बैंक खातों में 360 अरब डॉलर से अधिक की राशि प्राप्त हुई है और 33 अरब डॉलर से अधिक की राशि बचाने में मदद मिली है।

रजनीकांत ने बद्रीनाथ मंदिर में दर्शन किये

देहरादून/भाषा। अभिनेता रजनीकांत शनिवार को दर्शन करने के लिए बद्रीनाथ मंदिर गये, जहां उनका ब्रदीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अधिकारियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। मंदिर समिति के प्रवक्ता ने बताया कि जब रजनीकांत को मंदिर के अंदर ले जाया जा रहा था, तब समिति के अधिकारियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी क्योंकि इसके बाहर एकत्र श्रद्धालु अभिनेता की एक झलक पाना चाहते थे। मंदिर में रजनीकांत के पूजा-अर्चना करने के बाद पुजारियों ने उन्हें तुलसी के पत्तों की एक माला भेंट की और कुछ प्रसाद दिया। वह स्वर्ण आरती में भी शामिल हुए और मंदिर के मुख्य पुजारी ईश्वरी प्रसाद नम्बूदरी से भी मुलाकात की।

सीबीआई, ईडी स्वतंत्र जांच एजेंसियां, कोई हस्तक्षेप नहीं : जितेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने शनिवार को कहा कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जैसी जांच एजेंसियां स्वतंत्र रूप से काम करती हैं और केंद्र सरकार उनके काम में कोई हस्तक्षेप नहीं करती है। केंद्र द्वारा जांच एजेंसियों के दुरुपयोग के विपक्षी दलों के आरोपों के संबंध में एक सवाल का जवाब देते हुए, उन्होंने यहां संवाददाताओं से बातचीत में दावा किया कि पूर्ववर्ती संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार ने इन एजेंसियों को अपने राजनीतिक हितों के लिए इस्तेमाल किया था।

कार्मिक राज्य मंत्री ने कहा, ''जो लोग कहते हैं कि वर्तमान सरकार इन सभी संस्थानों - सीबीआई और ईडी - का उपयोग या दुरुपयोग कर रही है, वे अपनी मानसिकता के बारे में बात कर रहे हैं।''

सिंह ने कहा, ''वे संप्रग के समय की बात कर रहे हैं, जब वे खुद इसमें लिप्त थे। (जब) वे अपने फायदे के लिए, अपने राजनीतिक हित के लिए एजेंसियों में इस हद तक हस्तक्षेप कर रहे थे कि उच्चतम न्यायालय को 'पिंजरे में बंद तोता' जैसी टिप्पणी करने के लिए मजबूर होना पड़ा।'' उन्होंने कहा कि 'पिंजरे में बंद तोता' वाली टिप्पणी तब की गई थी, जब कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार केंद्र में थी। भ्रष्टाचार-रोधी जी20 मंत्रिस्तरीय सम्मेलन के समापन के बाद एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तहत सरकार संविधान में निहित सभी मानदंडों और मूल्यों का पालन करती है।

'नारी नेतृत्व' का लाभ उठाएं महिलाएं : ईरानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने सरकार के 'नारी नेतृत्व में विकास' के मंत्र का लाभ उठाने का आह्वान करते हुए कहा है कि भारतीय महिलाओं को विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनानी चाहिए।

श्रीमती ईरानी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में'नारी नेतृत्व में विकास' की अवधारणा चल रही है। उन्होंने कहा कि देश की विकास यात्रा में यह क्रांतिकारी बदलाव है। यह केवल कहने की बात नहीं है बल्कि यह वास्तविक रूप में दिखाई दे रहा है। देश ने हमेशा महिलाओं को लाभार्थी के रूप में देखा है। अब समय आ गया है कि उन्हें विकास की भागीदार के रूप में देखा जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, महिलाओं को विकास प्रक्रिया में भागीदारी देने की आवश्यकता है। श्रीमती ईरानी कल एक निजी समाचार चैनल के राइजिंग इंडिया -शी शक्ति कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि राष्ट्र उसे दौर से गुजर रहा है जब व्यापक हित में बड़ी उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं। इस अवसर को जाने नहीं देना चाहिए।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

अविश्वास क्यों

विश्वास करे जनता जिन पर,
प्रतिपक्षी करते आरोपित।
मुद्दों पर चर्चा नहीं करे,
चालें चलते रख कर दल हित।
कर बहिष्कार वे सदनों का,
होते बस मिडिया में चर्चित।
यह लोकतंत्र का हरित वृक्ष,
कैसे हो पाए फिर पुष्पित।।

बीआरएस सरकार ने गरीबों को दो शयनकक्ष के मकान देने के अपने वादे को पूरा नहीं किया : जी. किशन रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष जी.किशन रेड्डी ने शनिवार को राज्य की भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार पर आरोप लगाया कि उसने गरीबों को दो शयनकक्ष का मकान देने के अपने चुनावी वादे को पूरा नहीं किया है।

उन्होंने कहा कि जब तक बीआरएस सरकार तेलंगाना में सत्ता में रहेगी, तबतक राज्य में गरीबों को आवास नहीं मिल पाएगा। राज्य सरकार पर दो शयनकक्ष के मकान बनाने के लिए दबाव बनाने के इरादे से भाजपा द्वारा यहां आयोजित 'महाधरना' को संबोधित करते हुए रेड्डी ने कहा कि 2014 के चुनावों से पहले बीआरएस (तत्कालीन तेलंगाना राष्ट्र समिति) ने गरीबों के लिए मकान बनाने का वादा किया था।

केंद्रीय पर्यटन मंत्री ने आरोप लगाया कि अब पार्टी (बीआरएस) कह रही है कि यदि वे अपनी जमीन पर मकान बनाना चाहते हैं तो सरकार गरीबों को धन मुहैया कराएगी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव और उनकी सरकार गरीबों को घर मुहैया कराने के प्रति गंभीर नहीं है। रेड्डी ने कहा कि बीआरएस सरकार ने हैदराबाद में करीब 100 स्थानों पर मकान बनाने के लिए शिलान्यास किया था, लेकिन अब जनता की नाराजगी के चलते उन शिलापट्ट को 'प्रगति भवन'(मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास) में छिपा रही है। उन्होंने कहा कि अगर तेलंगाना के गरीबों को मकान चाहिए तो केसीआर सरकार को सत्ता से हटाना होगा।

रेड्डी ने कहा, जबतक कलवकाकुंटा परिवार(मुख्यमंत्री केसीआर का परिवार) सत्ता में रहेगा, तबतक तेलंगाना के गरीबों को आवास नहीं मिल पाएगा।

प्रवासी मजदूरों को ठगने वाले गिरोह का भंडाफोड़, 5 गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जींद (हरियाणा)/भाषा। हरियाणा के जींद में शहर थाना पुलिस ने प्रवासी मजदूरों बस से घर भेजने का झांसा देकर ठगने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने ठगी गई डेढ़ लाख रुपए की राशि भी बरामद की है। एक पुलिस अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। पटियाला चौक चौकी प्रभारी दीपक कुमार ने बताया कि बिहार निवासी पांचों आरोपियों को जींद रेलवे जंक्शन के पास से गिरफ्तार किया गया गया। उन्होंने बताया कि आरोपियों की पहचान अरुण (मुजफ्फरपुर), रामपुकार (दरभंगा), बिंदर तथा अनिल (दोनों पूर्णिया जिला) व प्रवेश (इनका जिला ज्ञात नहीं है) के रूप में की गई है।

कुमार के अनुसार पांचों आरोपियों की निशानदेही पर मजदूरों से ठगी गई डेढ़ लाख रुपए की राशि बरामद कर ली। उन्होंने बताया कि बिहार के दरभंगा जिला निवासी रामविलास ने पांच अगस्त को पुलिस से ठगी को लेकर शिकायत की थी।

डेढ़ करोड़ रुपए मूल्य के हीरों की तस्करी करने की कोशिश को लेकर एक व्यक्ति गिरफ्तार

मुंबई/भाषा। सीमा शुल्क विभाग ने चाय पाउडर के पाउच (थैलियों) में छिपाकर 1.49 करोड़ रुपए मूल्य के हीरों की देश से बाहर तस्करी की कोशिश करने के आरोप में मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। सीमा शुल्क विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि 30 वर्षीय आरोपी मुक्किम रजा अशरफ मंसूरी को सीमा शुल्क विभाग की एक इकाई ने बुधवार को उस समय गिरफ्तार कर लिया, जब वह दुबई जाने वाला था। अधिकारी ने कहा, दक्षिण मुंबई में नल बाजार इलाके के निवासी मंसूरी को छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया। वह एक निजी विमान से दुबई जाने वाला था। उसके सामान की तलाशी के दौरान उसके पास से चाय के एक प्रमुख ब्रांड का संदिग्ध पैकेट मिला।

महाराष्ट्र: त्र्यंबकेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए वीआईपी दर्शन 15 सितंबर तक बंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नासिक/भाषा। महाराष्ट्र के नासिक जिले में स्थित त्र्यंबकेश्वर मंदिर का प्रबंधन करने वाले न्यास ने श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने का अनुमान लगाते हुए पवित्र श्रावण महीने में वीआईपी दर्शन 15 सितंबर तक बंद कर दिया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

श्री त्र्यंबकेश्वर देवस्थान न्यास ने एक विज्ञप्ति में कहा, श्रावण मास के दौरान मंदिर में श्रद्धालुओं की बड़ी भीड़ के मद्देनजर सभी तरह के वीआईपी दर्शन 15 सितंबर तक बंद रहेंगे। लेकिन अति महत्वपूर्ण व्यक्तियों (वीआईपी) के लिए प्रोटोकॉल के संबंध में केंद्रीय स्तर, राज्य स्तर और जिला कलेक्टर द्वारा लिखित पत्राचार पर यह पाबंदी लागू नहीं होगी। न्यास कार्यालय के एक अधिकारी ने कहा कि इस अवधि के दौरान भक्तों के लिए 200 रुपए की कीमत पर उपलब्ध वीआईपी दर्शन की सुविधा बंद रहेगी।

दिल्ली में बाढ़ के हफ्तों बाद पाकिस्तान के हिंदू शरणार्थियों को अब भी है मदद का इंतजार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पाकिस्तान की 18-वर्षीया हिंदू शरणार्थी अनीता ईंटों के ढेर की ओर इशारा कर रही है, जो यमुना नदी में आई बाढ़ की भेंट चढ़ चुके उसके घर का हिस्सा है। पिछले महीने दिल्ली का एक बड़ा हिस्सा बाढ की चपेट में आ गया था। वैसे तो बाढ़ का पानी अब निकल चुका है, लेकिन मजनू का टीला के समीप नदीतट के पास रह रहे पाकिस्तान के हिंदू शरणार्थियों पर इसने (बाढ़ ने) जो वित्तीय और स्वास्थ्य संबंधी कहर बरपाया है, अभी तक वे लोग उसका दंश झेल रहे हैं।

अपने घरों की मरम्मत करने में असमर्थ ये लोग क्षतिग्रस्त मकानों में रह रहे हैं, उनमें से कुछ मकानों की दीवारें ढही हुई हैं, जबकि कुछ के दरवाजे टूटे हुए हैं। बाढ़ के दौरान अपनी जान बचाने के लिए लोग यहां से भाग गए थे, लेकिन उनमें से कइयों को इस क्रम में चोट लग गई थी और अब वे बिस्तर पर पड़े हुए हैं। अनीता ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, दीवारें ढह गईं और दरवाजे टूट गए एवं हमें इसी हाल में रहना पड़ रहा है। हमारी वित्तीय स्थिति ऐसी है कि हम तत्काल उसकी मरम्मत भी नहीं करा सकते।

यमुना के ऊपरी तटबंध क्षेत्रों में भारी वर्षा के बाद दिल्ली में इस नदी का जलस्तर खतरे के निशान के पार चला गया था और उसने 45 साल पहले का रिकॉर्ड तोड़ दिया था। उफनती नदी के चलते सड़कें, पार्क, मकान आदि पानी में डूब गए थे और जनजीवन पटरी से उतर गया था। अनीता ने आरोप लगाया कि विनाशकारी बाढ़ का दंश झेलने के बावजूद कोई उन लोगों की मदद करने आगे नहीं आया। उसने कहा, कुछ लोगों ने बमुश्किल एक-दो दिन खाना खिलाया। कुछ अन्य ने एक-दो दिन का राशन दिया। पिछले 10 वर्षों से अनीता का परिवार इस क्षेत्र में रह रहा है और उन लोगों के पास मूलभूत सुविधाएं नहीं हैं। अनीता ने सवालिया लहजे में कहा, ज्यादातर परिवार खाना पकाने के लिए अब भी मिट्टी के चूल्हे का इस्तेमाल करते हैं। जब प्रशासन ने पहले हमारी परवाह नहीं की तो अब वे क्यों करेगा?

सरकार देश की सीमाओं की सुरक्षा में बीएसएफ की भूमिका से अवगत है, बेहतर सुविधाएं मुहैया कराएंगे : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कच्छ/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि सरकार उस प्रतिकूल स्थिति को समझती है जिसमें सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवान देश की सीमाओं को सुरक्षित रखने के लिए काम करते हैं। गृह मंत्री ने कहा कि सरकार बीएसएफ को बेहतर सुविधाएं देने के लिए बजटीय आवंटन सुनिश्चित करेगी।

शाह बीएसएफ लंगर (जहाज या नौका को बांधने वाला स्थान) स्थल की आधारशिला रखने और अन्य परियोजनाओं के ई-उद्घाटन के लिए गुजरात के कच्छ के कोटेश्वर पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि बीएसएफ एकमात्र ऐसा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) है, जो जल, जमीन और हवाई क्षेत्र की सुरक्षा करने में माहिर है तथा बाहरी ताकतों से देश की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विविध भौगोलिक परिस्थितियों में काम करता है।

गृह मंत्री ने कहा, यह मत सोचिए कि सरकार को उस प्रतिकूल स्थिति का अंदाजा नहीं है जिसमें आप काम करते हैं। जब मैं (हरामी नाला) जाऊंगा, तो मुझे निश्चित रूप से एक बार फिर इसके (प्रतिकूल स्थिति के) बारे में सूचित किया जाएगा। शाह रविवार को कच्छ जिले में भारत और पाकिस्तान को अलग करने वाले क्रीक क्षेत्र 'हरामी नाला' का दौरा करेंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री ने बीएसएफ जवानों को आश्वासन दिया किआपकी सुविधा के लिए जो भी बजट आवंटित करने की आवश्यकता होगी वह आने वाले दिनों में दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह रात में चैन की नींद सो पाते हैं क्योंकि बीएसएफ के जवान देश की सीमाओं की सुरक्षा के लिए 365 दिन चौबीसों घंटे सतर्क रहते हैं। शाह ने कहा कि बीएसएफ को उन क्षेत्रों में सीमाओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई है, जहां तापमान शून्य से 43 डिग्री नीचे से 43 डिग्री सेल्सियस तक रहता है और वे सुंदरबन (पूर्व में) और हरामी नाला से सटे क्षेत्रों को सुरक्षित रखने के लिए सतर्क रहते हैं।

मप्र सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप को लेकर भाजपा ने प्रियंका गांधी के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा के खिलाफ उनके उस सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर कार्रवाई करने की चेतावनी दी है जिसमें उन्होंने मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने का आरोप लगाया है।

प्रियंका के आरोप को झूठा बताते हुए मध्य प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कांग्रेस नेता से आरोप का समर्थन करने वाले सबूत मांगे और चेतावनी दी कि राज्य सरकार और भाजपा के सामने कार्रवाई के विकल्प खुले हैं। प्रदेश भाजपा प्रमुख वी डी शर्मा ने आरोप लगाने के लिए सोशल मीडिया पोस्ट में एक फर्जी पत्र का हवाला देने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस नेता के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी।

हालांकि, राज्य कांग्रेस ने कहा कि वह साबित करेगी कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार भ्रष्ट है और उसने सत्तारूढ़ दल पर 'राजनीतिक आतंक' पैदा करने का भी आरोप लगाया।

प्रियंका गांधी ने शुक्रवार को एक्स, जिसे पहले ट्वीटर के नाम से जाना जाता था, पर दावा किया कि मध्य प्रदेश के ठेकेदारों के एक संघ ने उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर शिकायत की है कि उन्हें 50 प्रतिशत कमीशन देने के बाद ही भुगतान मिलता है। उन्होंने पोस्ट में आरोप लगाया, कर्नाटक की भ्रष्ट भाजपा सरकार 40 प्रतिशत कमीशन वसूलती थी। मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार भ्रष्टाचार के अपने ही रिकॉर्ड को तोड़कर आगे निकल गई है। कर्नाटक की जनता ने 40 प्रतिशत कमीशन वाली सरकार को सत्ता से बाहर कर दिया अब मध्य प्रदेश की जनता 50 प्रतिशत कमीशन वाली सरकार को सत्ता से हटाएगी।

महिला पर लगाया बैंक के 25 लाख रुपए हड़पने का आरोप

सोनीपत(हरियाणा)/भाषा। सोनीपत में एटलस रोड पर स्थित एचडीएफसी बैंक की शाखा से कथित रूप से 25 लाख रु. हड़पने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार एचडीएफसी बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक पवन कुमार ने उसे बताया कि अशोक नगर की श्वेता पाठक का उनके बैंक में खाता है तथा 28 मई, 2022 को उनके खाते में मात्र नौ हजार रुपए थे लेकिन 29 मई, 2022 की रात को तकनीकी गड़बड़ी के चलते कुछ ग्राहकों के खातों में करोड़ों रुपए अतिरिक्त जमा दिखने शुरू हो गए। शिकायतकर्ता के अनुसार इस तरह से दर्जनों ग्राहकों के खातों में करोड़ों रुपए की राशि जमा हो गई जिनमें श्वेता पाठक भी शामिल थी। कुमार ने शिकायत में कहा है कि तकनीकी गड़बड़ी के कारण उपभोक्ताओं के खातों में गलती से जमा हुई राशि की निकासी पर रोक नहीं लगाई जा सकी। जानकारी में आने पर जांच करने पर ऐसे ग्राहकों का पता किया गया जिनके खाते में रुपए गए थे। 29 मई 2022 की सुबह तकनीकी खराबी को दूर किया गया। उसके बाद जिनके खाते में रुपए गए थे उनका पता लगाया गया। पुलिस के अनुसार पाठक के खाते में 31 लाख रुपए जमा हो गए थे।

पुलिस के अनुसार बैंक का कहना है कि अन्य ने खाते में गई राशि को लौटा दिया लेकिन पाठक ने कहा कि उस राशि में से 25 लाख रुपए की राशि वह निकालकर खर्च कर चुकी है। पाठक ने छह लाख रुपए वापस कर दिए और बाकी राशि ब्याज सहित बैंक को लौटाने का आश्वासन दिया था। पुलिस के अनुसार महिला ने बाद में रुपए जमा नहीं कराए और रुपए वापस मांगने पर पहले तो उन्होंने लगातार टालना शुरू कर दिया लेकिन अब उसने बैंक अधिकारियों को ही धमकी देना शुरू कर दिया है।

राहुल गांधी ने मणिपुर हिंसा को लेकर प्रधानमंत्री मोदी पर तीखा हमला किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड (केरल)/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए उन पर मणिपुर में हिंसा को लेकर संसद में हाल में हुई चर्चा के दौरान इस पूर्वोत्तर राज्य की समस्या का समाधान नहीं करने का आरोप लगाया।

गांधी अपनी लोकसभा सदस्यता बहाल होने के बाद वायनाड की अपनी पहली यात्रा के दौरान उनके स्वागत के लिए कलपेट्टा में कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) द्वारा आयोजित एक सभा को संबोधित कर रहे थे। गांधी ने कहा, वह (मोदी) दो घंटे 13 मिनट तक बोले। वह हंसे ... उन्होंने मजाक किया.. वह मुस्कुराए--उनके मंत्रिमंडल ने ठहाके लगाए, मजाक किया और हंसे... उन्होंने खूब मस्ती की। प्रधानमंत्री ने दो घंटे में हर चीज के बारे में बात की... कांग्रेस के, मेरे, विपक्षी दलों के गठबंधन'इंडिया' के बारे में बात की – लेकिन मणिपुर के बारे में केवल दो मिनट बोले।

मोदी पर निशाना साधते हुए गांधी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके नेतृत्व वाली सरकार ने मणिपुर मेंभारत की अवधारणा (आइडिया ऑफ इंडिया) की हत्या कर दी। उन्होंने पूछा, आपने हजारों परिवारों को तबाह कर दिया है। आपने हजारों महिलाओं के साथ बलात्कार होने दिया है। आप हजारों लोगों की हत्या के लिए जिम्मेदार हैं। और देश के प्रधानमंत्री के रूप में, आप हंस रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि जो कोई भी भारत की अवधारणा की हत्या करता है, वह राष्ट्रवादी नहीं हो सकता।

मोदी के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाते हुए गांधी ने कहा, आपने 'भारत माता' की हत्या के बारे में केवल दो मिनट बात की। आपकी ऐसा करने की हिम्मत कैसे हुई? आप भारत की अवधारणा को कैसे खारिज कर सकते हैं? उन्होंने कहा, आप पिछले चार महीनों से क्या कर रहे हैं? आप वहां क्यों नहीं गए? आपने हिंसा रोकने की कोशिश क्यों नहीं की? क्योंकि आप राष्ट्रवादी नहीं हैं। जो कोई भी भारत की अवधारणा की हत्या करता है, वह राष्ट्रवादी नहीं हो सकता।

भारत-पाकिस्तान को कश्मीर मुद्दे पर ईमानदारी से वार्ता करनी चाहिए : फारूक अब्दुल्ला

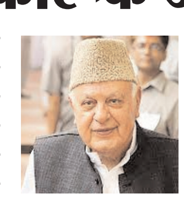

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि जम्मू कश्मीर में सीमा पर्यटन को बढ़ावा देना या रैलियां आयोजित करना केवल एक दिखावा है तथा जब तक भारत और पाकिस्तान ईमानदारी से बातचीत नहीं करते मुद्दे का समाधान नहीं होगा।

श्रीनगर के सांसद से पूछा गया कि क्या कश्मीर में स्थिति बदल गई है क्योंकि सीमा पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है और पूरी घाटी में तिरंगा रैलियां आयोजित की जा रही हैं, इस पर उन्होंने कहा, दोनों देशों के दिल साफ होने चाहिए। बहुत दिखावा हो चुका है। अब्दुल्ला ने कहा कि भारत और पाकिस्तान को नेक इरादों से बात करनी चाहिए क्योंकि युद्ध से कुछ हल नहीं होता। उन्होंने कहा, जब तक दोनों देश कश्मीर मुद्दे पर ईमानदारी से बात नहीं करते, तब तक यह सब दिखावा है। यह तमाशा आगे भी चलता रहेगा। यह हर साल होगा लेकिन मुद्दा वहीं अटका रहेगा। जम्मू कश्मीर में हालात सामान्य होने के सरकार के दावों पर सवाल उठाते हुए नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष ने पूछा कि अगर जम्मू कश्मीर में शांति है तो यहां आतंकवाद क्यों है, गोलियां क्यों चलाई जा रही हैं और सैनिक तथा लोग क्यों मारे जा रहे हैं। अब्दुल्ला ने पूछा, अगर वास्तव में शांति है, तो ऐसा क्यों हो रहा है? ऐसा इसलिए है क्योंकि उन्हें (पाक) लगता है कि इसका समाधान अभी तक नहीं हुआ है। उन्हें कौन समझाएगा कि केवल बातचीत से ही मुद्दों का समाधान होगा। उन्होंने कहा कि कोई भी यूक्रेन में देख सकता है कि युद्ध से क्या होता है। अब्दुल्ला ने कहा, यूरोप आर्थिक रूप से तबाह हो रहा है। कौन मारा जा रहा है? यह यूक्रेन के लोग हैं। वे क्या हासिल करेंगे? क्या इससे सीमाएं बदल जाएंगी? उन्होंने कहा, इसलिए, दोनों देशों (भारत और पाकिस्तान) को यह ध्यान रखना चाहिए कि युद्ध से कुछ हासिल नहीं होगा।

सहज स्मृति योग

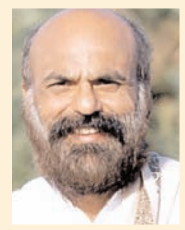

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, नमस्ते। अपनी दृष्टि में तो मैं वैसी ही हूँ जैसा ख़ुद को जानती हूँ लेकिन, आपकी आध्यात्मिक दृष्टि में, 'मैं' कौन और कैसी हूँ ?

उत्तर: नमस्ते। आध्यात्मिक दृष्टि तत्वतः सनातन होती है तभी उसका आध्यात्मिक होना सम्भव होता है। वह मेरी या तेरी, इसकी या उसकी नहीं होती। भिन्न दृष्टि की कल्पना या कल्पित संभावना ही 'मैं' है। हरेक में जो एक-अज्ञेय-अज्ञात-अवस्था है चैतन्य की, तत्वतः वह अवस्था ही सतत –मैं या तू या आप हूँ। पर उस तात्त्विक अवस्था तक संवाद की न तो पहुँच है और न ही वहाँ उसकी आवश्यकता होती है क्योंकि, वहाँ 'होने और न होने' की अवस्था विच्छिन्न नहीं होती है। इसलिए, संवाद हेतु एक सीढ़ी नीचे उतरें तो ही कह सकेंगे कि, जैसा जिसके हृदय में विशुद्ध ज्ञेय-ज्ञात-अनुपम, वर्तमान चैतन्य है वैसी, वही 'मैं'हूँ। एक सीढ़ी और उतरें तो कहेंगे कि जहाँ तू नहीं वहीं 'मैं'हूँ और, एक और सीढ़ी उतरें तो कहेंगे, सर्वत्र,सब, यहीं और अभी मैं ही मैं हूँ क्योंकि, 'मैं', सनातन 'तू' या 'आप' ही होती हूँ, मैं नहीं होती हूँ। और, जब ऐसी होती हूँ तभी जाकर 'कोई' होकर, कौन, कैसी, कहीं होती हूँ और, वही वैसी, वहीं होती हूँ। आप, तू और मैं, जहाँ तीनों एक हैं, वहाँ वही मैं हूँ। नहीं, तो सदैव सर्वत्र होते हुए भी; कोई भी, कहीं भी, कैसी भी 'मैं'नहीं हूँ।

लक्षद्वीप के विद्यालयों में नई तरह की पोशाक

कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन करने की चेतावनी दी

तिरुवनंतपुरम/भाषा। कांग्रेस ने लक्षद्वीप के स्कूलों में नई तरह की पोशाक निर्धारित करने के केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन के कदम की शनिवार को कड़ी निंदा की और इसके खिलाफ छात्रों द्वारा कक्षाओं का बहिष्कार किए जाने तथा विरोध-प्रदर्शन की चेतावनी दी। कांग्रेस की लक्षद्वीप इकाई के नेता एवं पूर्व सांसद हमदुल्ला सईद ने आरोप लगाया कि नए 'ड्रेस कोड' के लिए निर्देश में छात्राओं के लिए हिजाब या 'स्कार्फ' का कोई उल्लेख नहीं किया गया है, जो मुस्लिम बहुल द्वीपसमूह में द्वीपवासियों की संस्कृति और जीवन शैली को नष्ट करने जैसा है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार और लक्षद्वीप प्रशासन लगातार जनविरोधी नीतियों को लागू करने का प्रयास कर रहे हैं जो द्वीपों की संस्कृति और लोकाचार के पूरी तरह से खिलाफ है।

सईद ने कहा कि शिक्षा विभाग द्वारा एक नया 'ड्रेस कोड' निर्धारित करने का हालिया आदेश इस कड़ी में नवीनतम है, जिसे किसी भी तरह से स्वीकार नहीं किया जा सकता। पूर्व सांसद सईद ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हम ऐसे किसी भी निर्देश को स्वीकार नहीं करेंगे, जो लक्षद्वीप की संस्कृति और मौजूदा जीवनशैली को नष्ट कर दे। चीजों को इस तरह से थोपा जाना लोकतांत्रिक व्यवस्था में अवांछित तनाव और समस्याएं पैदा करने के प्रयासों का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस कदम के खिलाफ लोकतांत्रिक आंदोलन शुरू करेगी। सईद ने कहा कि स्कूली छात्र इसके खिलाफ विरोध दर्ज कराने के लिए अपनी कक्षाओं का बहिष्कार करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस लक्षद्वीप प्रशासन द्वारा द्वीपसमूह में शराब की दुकानें खोलने की अनुमति देने के कदम के खिलाफ अपने विरोध प्रदर्शन को तेज करेगी।

हैदराबाद हवाई अड्डे पर सीमाशुल्क अधिकारियो ने 4.86 करोड़ रुपए मूल्य का सोना जब्त किया

हैदराबाद/भाषा। हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार को अलग-अलग मामलों में चार यात्रियों के पास से 4.86 करोड़ रुपए मूल्य का कुल आठ किलोग्राम सोना जब्त होने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। हैदराबाद सीमा शुल्क विभाग के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सीमा शुल्क विभाग की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि पहले मामले में, 1.21 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की दो किलोग्राम कटी हुई सोने की छड़ें बैंकॉक से आए एक यात्री के पैंट में छिपाई हुई पाई गईं।

विज्ञप्ति में कहा गया है, 4.86 करोड़ रुपए मूल्य का कुल आठ किलोग्राम सोना जब्त किया गया और सभी चार आरोपियों को सीमा शुल्क अधिनियम के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया। चारों मामलों में जांच जारी है। विज्ञप्ति के मुताबिक, दूसरे मामले में भी उसी विमान के एक यात्री के कपड़ों में छिपाई गई 1.78 किलोग्राम कटी हुई सोने की छड़ें बरामद की गईं, जिनकी कीमत 1.09 करोड़ रुपए आंकी गई है।

विज्ञप्ति के अनुसार, तीसरे मामले में शारजाह से आए एक यात्री के पास से लेप के रूप में 2.17 किलोग्राम सोना जब्त किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 1.32 करोड़ रुपए है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि चौथे मामले में दुबई से आए एक यात्री के पास से 1.245 करोड़ रुपए मूल्य का 2.05 किलोग्राम सोना जब्त किया गया।

एप्पल की आपूर्तिकर्ता फॉक्सकॉन ने तेलंगाना में अपना निवेश प्रस्ताव बढ़ाकर 55 करोड़ डॉलर किया

हैदराबाद/भाषा। फिट होंग टेंग लि.(फॉक्सकॉन) के निदेशक मंडल ने तेलंगाना में 40 करोड़ डॉलर के निवेश को मंजूरी दे दी है। फॉक्सकॉन इंडिया के प्रतिनिधि वी ली ने सोशल मीडिया पोस्ट में यह जानकारी दी। कंपनी पहले ही भारत में 15 करोड़ डॉलर के निवेश को मंजूरी दे चुकी है। इस तरह उसका कुल प्रस्तावित निवेश बढ़कर 55 करोड़ डॉलर हो गया है। ताईवान की फॉक्सकॉन एप्पल की सबसे बड़ी आपूर्तिकर्ता है। फॉक्सकॉन ने शुक्रवार को हांगकांग शेयर बाजार को बताया, फिट सिंगापुर ने चांग यी इंटरकनेक्ट टेक्नोलॉजी (इंडिया) प्रा. लि.को 40 करोड़ डॉलर का पूंजी निवेश करने का प्रस्ताव दिया है। इस कंपनी की 99.99% पूंजी हिस्सेदारी फिट सिंगापुर के पास है। वी ली ने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट करते हुए कहा, हम तेजी से बढ़ रहे हैं, तेलंगाना! 40 करोड़ डॉलर की एक और खेप आ रही है।

युवा भारत के भविष्य को आकार देते हैं : अनुराग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। केंद्रीय युवा मामले और खेल तथा सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने शनिवार को कहा कि अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस (आईवाईडी) युवाओं की जबरदस्त शक्ति को रेखांकित करता है और वे भारत के केंद्रीय मंत्री यहां आईवाईडी की पूर्व संध्या पर इग्नाइटिंग पैशन एंड स्पार्किंग चेंज थीम-दक्षिण एशिया के युवाओं के साथ आवाज़ बढ़ाना तथा बदलाव लाना के तहत संयुक्त राष्ट्र भारत, यूनिसेफ में युवा और केंद्रीय युवा मामले व खेल मंत्रालय की ओर से आयोजित 'इम्पैक्ट विद यूथ कॉन्क्लेव' में अपना मुख्य भाषण दे रहे थे।

ठाकुर ने सतत विकास के लिए हरित कौशल के महत्व पर जोर देते हुए युवाओं से अपना दृष्टिकोण साझा करने और जागरूकता पैदा करने का आह्वान किया। युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए श्री ठाकुर ने कहा, युवा संरक्षक और सबसे बड़े हितधारक हैं। भारत विश्व स्तर पर सबसे युवा देशों में से एक है, इसलिए हमारी जिम्मेदारी अद्वितीय है। आईवाईडी युवाओं की जबरदस्त शक्ति को रेखांकित करता है। वे हमारे देश के भविष्य को आकार देते हैं और शांति के भविष्य को साझा करते हैं। उभरते नौकरी बाजार के संदर्भ में श्री ठाकुर ने वैश्विक आख्यानों और सतत विकास लक्ष्यों को प्रभावित करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उदय तथा युवाओं की सामूहिक जिम्मेदारी पर प्रकाश डाला।

आज की गतिशील दुनिया में युवाओं की सक्रिय भागीदारी का आह्वान करते हुए तथा हालिया ड्रोन नीति और आत्मनिर्भर भारत के महत्व का हवाला देते हुए केंद्रीय मंत्री ने युवाओं से भारत के राष्ट्र निर्माण प्रयासों में योगदान देने के लिए एक उद्देश्य अपनाने और प्राप्त करने योग्य लक्ष्य निर्धारित करने का आग्रह किया। कॉन्क्लेव में उपस्थित लोगों में यूनिसेफ की प्रतिनिधि सुश्री सिंथिया मैककैफ्रे और यूनिसेफ के प्रमुख युवा धुवाराखा श्रीराम शामिल थे।

अपने स्वागत भाषण में सुश्री सिंथिया मैककैफ्रे ने युवाओं के सामने आने वाली चुनौतियों और अवसरों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा आईवाईडी के उत्सव पर जोर दिया। उन्होंने भारत के जनसांख्यिकीय लाभ और 21वीं सदी के अवसरों के लिए भारतीय युवाओं को तत्काल कौशल प्रदान करने की सराहना भी की। 'इम्पैक्ट विद यूथ कॉन्क्लेव' ने युवा व्यक्तियों की आवाज को बुलंद करने, परिवर्तन लाने और दक्षिण एशिया में प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया। यह कॉन्क्लेव युवा ऊर्जा की भावना का प्रतीक है जो एक उज्ज्वल भविष्य को बढ़ावा देता है।

विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर के उपनगर सारावनामपत्ती स्थित ग्लोबस हॉल में विश्व हाथी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में प्रदेश गृह आवास मंत्री मुथुस्वामी और वन मंत्री मतिवेनम, वन और पर्यावरण सचिव सुप्रिया साहू, जिला कलेक्टर क्रांति कुमार, अन्नामलाई टाइगर रिजर्व प्रोजेक्ट के निदेश राम सुब्रमण्यम् आदि उपस्थित थे। इस मौके पर प्रदेश के हाथियों के बारे में एक पुस्तक का विमोचन किया गया।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने युवाओं के दिमाग में पनप रहे 'जातिवाद के जहर' पर चिंता व्यक्त की

तिरुनेलवेली/चेन्नई। तमिलनाडु के तिरुनेलवेली जिले में अनुसूचित जाति समुदाय के 12वीं कक्षा के एक छात्र पर कथित पुरानी रंजिश को लेकर उसके सहपाठियों द्वारा हमला किये जाने के बाद मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने युवाओं के दिमाग में पनप रहे जातिवाद के जहर पर चिंता व्यक्त की। पुलिस ने बताया कि हमलावरों ने नंगुनेरी इलाके में छात्र के घर में घुसकर उसके साथ मारपीट की।

इस घटना में छात्र की बहन भी घायल हो गयी। यह घटना पीड़ित छात्र और हमलावरों के बीच कुछ समय पहले हुई हाथापाई का नतीजा है। पुलिस ने बताया कि घटना के सिलसिले में छह नाबालिगों को पकड़ा गया है तथा उन सभी को बाल सुधार गृह भेज दिया गया है।

स्कूल शिक्षा मंत्री अंबिल महेश पोय्यामोझी ने घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वह पीड़ित छात्र एवं उसकी बहन के चिकित्सा उपचार और शिक्षा से संबंधित खर्च की जिम्मेदारी लेंगे। वहीं, मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि यह घटना झकझोर देने वाली है।

उन्होंने एक ट्वीट में कहा, यह घटना दर्शाता है कि युवा छात्रों में जातिवाद का जहर कितना भर गया है। जातिवाद के कारण ऐसी हिंसा देखना असहनीय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मामले में कानून के दायरे में कार्रवाई की जाएगी।

पलानीस्वामी ने नांगुनेरी हमले में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अन्नाद्रमुक महासचिव और पूर्व मुख्यमंत्री एडप्पादी के पलानीस्वामी ने शनिवार को द्रमुक सरकार से तिरुनेलवेली जिले के नंगुनेरी में बारहवीं कक्षा के छात्र और उसकी बहन पर हमले में शामिल लोगों पर सख्त कार्रवाई करने का आग्रह किया। अन्नाद्रमुक नेता ने आरोप लगाया कि जब भी द्रमुक सत्ता में होती है, तो यह सामान्य बात है कि जातीय और धार्मिक झड़पें होती रहती हैं।

यहां एक बयान में, पलानीस्वामी ने दावा किया कि जब अन्नाद्रमुक सत्ता में थी, तो दिवंगत और पूर्व मुख्यमंत्री जे जयललिता के नेतृत्व में लोग बिना किसी जाति या धार्मिक हिंसा के एकजुट थे। उन्होंने कहा कि असामाजिक तत्वों ने उन लोगों पर अत्याचार किया जो लोग शांति से रह रहे थे और अपना काम कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हालांकि, डीएमके के 27 महीने तक सत्ता में रहने के बाद हर दिन कम से कम एक अपराध की घटना सामने आती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि गांजा पूरे राज्य में उपलब्ध है और यह युवा पीढ़ी के जीवन को खराब करता है, सदन में विपक्ष के नेता ने कहा कि द्रमुक सरकार ने कई अपीलों के बावजूद दवाओं की बिक्री पर अंकुश लगाने के संबंध में कठोर कार्रवाई नहीं की है। पलानीस्वामी ने कहा कि इसके बाद, द्रमुक सरकार को छात्रों के बीच भाईचारे का रवैया विकसित करने में मदद करने के लिए विशेष कक्षाएं आयोजित करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, पुलिस को नशीली दवाओं की बिक्री पर अंकुश लगाने की पूरी आजादी दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को जातिगत भेदभाव को रोकने के लिए कदम उठाना चाहिए और इसमें शामिल लोगों को चेतावनी देनी चाहिए।

नीट विरोधी विधेयक को कभी मंजूरी नहीं दूंगा : राज्यपाल रवि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने शनिवार को साफ कहा कि वह तमिलनाडु सरकार के नीट विरोधी विधेयक को कभी भी मंजूरी नहीं देंगे। यह विधायक राष्ट्रपति की मंजूरी का इंतजार कर रहा है। रवि ने कहा कि राष्ट्रीय प्रवेश-सह-पात्रता परीक्षा (नीट) के बिना उपलब्धियां भविष्य के लिए पर्याप्त नहीं हैं और यह परीक्षा जारी रहेगी।

उन्होंने कहा, देखिए, मैं (विधेयक को) मंजूरी देने वाला अंतिम व्यक्ति होऊंगा। इसे कभी भी मंजूरी नहीं दूंगा। मैं नहीं चाहता कि मेरे बच्चे बौद्धिक रूप से अक्षम महसूस करें। मैं चाहता हूं कि हमारे बच्चे प्रतिस्पर्धा करें और सर्वश्रेष्ठ बनें। उन्होंने यह साबित कर दिया है। राज्यपाल ने यहां राजभवन में नीट स्नातक 2023 में शीर्ष अंक हासिल करने वाले विद्यार्थियों के साथ बातचीत के दौरान यह बयान दिया है।

दरअसल, एक अभिभावक ने राज्यपाल से नीट को प्रतिबंधित करने के लिए मंजूरी' देने का आग्रह किया था। उनका मतलब केंद्रीय परीक्षा से राज्य को छूट देने का प्रावधान करने वाले तमिलनाडु विधानसभा के एक विधेयक को मंजूरी देने से था। रवि ने कहा, मैं आपको बहुत स्पष्ट रूप से बता रहा हूं, मैं नीट (विधेयक) को कभी भी मंजूरी नहीं दूंगा। वैसे भी यह राष्ट्रपति के पास गया है क्योंकि यह समवर्ती सूची का विषय है और यह ऐसा विषय है जिसे मंजूरी देने के लिए केवल राष्ट्रपति ही सक्षम हैं। उन्होंने कहा कि एक मिथक फैलाया जा रहा है कि केवल कोचिंग केंद्रों की सेवाओं का उपयोग करने वाले ही मेडिकल प्रवेश परीक्षा पास कर सकते हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि सीबीएसई पाठ्यक्रम मानक है। राज्य विधानसभा ने पिछले साल एक बार फिर तमिलनाडु को नीट से छूट देने का प्रावधान करने वाला विधेयक पारित किया था। इससे पहले विधेयक को राज्यपाल रवि ने लौटा दिया था।

राहुल गांधी ने तमिलनाडु में टोडा समुदाय के सदस्यों के साथ संवाद किया, नृत्य में भाग लिया

नीलगिरि। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को तमिलनाडु के नीलगिरि जिले में टोडा समुदाय के सदस्यों के साथ कुछ समय बिताया। राहुल गांधी ने उनके साथ नृत्य किया और समुदाय के देवता के मंदिर में दर्शन किए।

'मोदी उपनाम' वाली टिप्पणी से संबंधित मानहानि के मामले में दोषसिद्धि पर उच्चतम न्यायालय द्वारा रोक लगाए जाने के बाद वायनाड के सांसद राहुल केरल में अपने निर्वाचन क्षेत्र की ओर जा रहे थे और इसी दौरान वह आदिवासी समुदाय के सदस्यों के साथ बातचीत करने के लिए यहां मुथुनाडुमांडू में रुके। इस मौके पर टोडा समुदाय की महिलाओं ने कामना की कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री के रूप में इस स्थान पर लौटें। देश में अगले साल लोकसभा चुनाव होने हैं। कोयम्बटूर हवाई अड्डे पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। कोयंबटूर से सड़क मार्ग के जरिये यहां पहुंचने पर उन्हें एक पारंपरिक शॉल भेंट की गई। राहुल गांधी ने टोडा आदिवासियों के साथ नृत्य किया और उनके पारंपरिक भोजन का स्वाद भी चखा। कांग्रेस नेता ने समुदाय के देवता के मंदिर का दौरा किया और वहां की पारंपरिक प्रथाओं के साक्षी बने। बाद में राहुल गांधी ने पारंपरिक खेल 'इलावट्टक्कल' देखा, जिसमें युवा महिलाएं एक गोल पत्थर उठाने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा देती हैं।

पुष्पांजलि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शनिवार को तूतीकुड़ी जिले के ओट्टापिडारम में तमिलनाडु भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष के. अन्नामलाई ने वीयूसी के आवास का दौरा किया उन्होंने उनकी मूर्ति पर माला चढ़ाकर उनके प्रति अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर भाजपा के महासचिव बालगणपति, पूर्व सांसद शशिकला पुष्पा, भाजपा युवा टीम के प्रदेश अध्यक्ष रमेश शिवा आदि उपस्थित रहे।

जापान ने दक्षिण कोरिया को 5-3 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया

चेन्नई। जापान ने शुरू से ही दबदबा बनाते हुए शनिवार को यहां गत चैंपियन दक्षिण कोरिया को 5-3 से पराजित करके एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी (एसीटी) हॉकी टूर्नामेंट में तीसरा स्थान हासिल किया। जापान की तरफ सेरयोमा ओका (तीसरे), रयोसी काटो (नौवें), केंटारो फुकुदा (28वें), शोता यामादा (53वें) और केन नागायोशी (58वें) ने गोल दागे जबकि कोरिया के लिए जोंगह्युन जांग (15वें और 33वें) और चेओलियन पार्क (26वें) ने गोल किए। तीसरे स्थान के प्लेऑफ मैच में जापान ने शुरू से ही आक्रामक रवैया अपनाया और पहले नौ मिनट में दो गोल करके अपना दबदबा बना दिया। उसने पहले चार गोल मैदानी गोल किए जबकि नागायोशी ने आखिरी क्षणों में पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदला। दक्षिण कोरिया ने हालांकि जोंगह्युन जांग के पेनल्टी कॉर्नर पर किए गए दो गोल की मदद से अच्छी वापसी की। जापान मध्यांतर तक 3-2 से आगे था लेकिन जोंगह्युन जांग में 33वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर 3-3 से बराबर कर दिया था। अगले 20 मिनट तक स्कोर बराबर रहा लेकिन जापान ने इसके बाद पांच मिनट के अंदर दो गोल करके अपना तीसरा स्थान सुनिश्चित किया।

मैच के दौरान बाहर से कोचिंग नहीं करता : हॉकी कोच फुल्टन

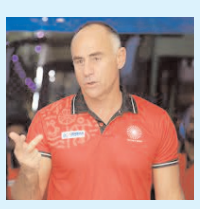

चेन्नई। भारतीय हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने एशियाई चैम्पियस ट्राफी (एसीटी) के सेमीफाइनल में जापान पर मिली जीत के बाद कहा कि वह मैच के दौरान बाहर से खिलाड़ियों को निर्देश देना पसंद नहीं करते और ट्रेनिंग के दौरान ही खिलाड़ियों ही जानकारी देने को तरजीह देते हैं। भारत ने शनिवार को यहां अंतिम चार में जापान को 5-0 से रौंद दिया और उसका सामना यहां खिताबी भिड़ंत के लिए मलेशिया से होगा। जापान के खिलाफ बड़ी जीत के बाद फुल्टन ने कहा, मैं मैच के दौरान बाहर से ज्यादा कोचिंग नहीं देता लेकिन ट्रेनिंग के दौरान काफी कोचिंग देता हूं। क्योंकि ट्रेनिंग के दौरान ही सिखाया जाता है। हो सकता है कि मैच के दौरान कुछ चीजें बदलनी हों लेकिन इस पर फैसला करना सीनियर खिलाड़ियों का ही काम है। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने भी टीम में फुल्टन द्वारा लाये गये बदलावों की प्रशंसा की। उन्होंने शुक्रवार को मैच के बाद कहा, प्रत्येक कोच की मानसिकता अलग होती है। हमारे पहले के कोच काफी अच्छे रहे। यहां तक कि वह (फुल्टन) भी काफी अच्छे हैं। प्रत्येक कोच टीम की बेहतरी के बारे में सोचता है।'' उन्होंने कहा, वह अच्छा काम कर रहे हैं। हमने अपनी टीम में काफी सरंचनात्मक बदलाव किये हैं और इतने कम समय में ये बदलाव लाना हमारे लिए काफी सकारात्मक चीज है। इसका पूरा श्रेय उन्हें जाता है।

ईडी ने बालाजी के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया, अदालत ने 25 अगस्त तक न्यायिक हिरासत में भेजा

चेन्नई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तमिलनाडु के मंत्री वी सेंथिल बालाजी के खिलाफ उनके और उनके सहयोगियों को लेकर जारी धन शोधन जांच के तहत करीब 3,000 पन्नों का आरोप पत्र शनिवार को दायर किया। यह जानकारी आधिकारिक सूत्रों ने दी। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) नेता बालाजी (47) को प्रधान सत्र न्यायाधीश एस अल्ली के समक्ष पेश किया गया। न्यायाधीश ने बालाजी को 25 अगस्त तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। ईडी ने मंत्री को गत 14 जून को गिरफ्तार किया था। वह चेन्नई स्थित केंद्रीय पुझल जेल में बंद रहेंगे।

सूत्रों ने कहा कि केंद्रीय एजेंसी ने बालाजी को आरोपी बनाते हुए लगभग 3,000 पन्नों की अभियोजन शिकायत दायर की, जिसमें 2,000 से अधिक पृष्ठों के संलग्नक और 168-170 पृष्ठों के मुख्य दस्तावेज शामिल हैं। समझा जाता है कि ईडी ने जब्त किए गए विभिन्न दस्तावेजों, बरामद की गई कथित नकदी रसीदों और पिछले कुछ दिनों में उसके द्वारा आरोप पत्र में दर्ज किए गए बालाजी के बयान को रिकॉर्ड में लाया। सूत्रों के मुताबिक, अदालत ने धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) की विभिन्न धाराओं के तहत दायर आरोप पत्र पर अभी तक संज्ञान नहीं लिया है। न्यायाधीश अल्ली ने गत सात अगस्त को ईडी को मामले के संबंध में पूछताछ के लिए सेंथिल बालाजी को पांच दिनों के लिए हिरासत में लेने की अनुमति दी थी। शनिवार को हिरासत की अवधि समाप्त होने के बाद ईडी ने उन्हें न्यायाधीश के सामने पेश किया। न्यायाधीश ने बालाजी से पूछा कि ईडी ने हिरासत के दौरान उनके साथ कैसा व्यवहार किया और क्या एजेंसी के खिलाफ कोई शिकायत है। सूत्रों ने बताया कि बालाजी ने जवाब दिया कि ईडी ने उनके साथ अच्छा व्यवहार किया और उन्हें कोई शिकायत नहीं है।

एजेंसी द्वारा बाद में एक पूरक आरोपपत्र दायर किए जाने की उम्मीद है, क्योंकि बालाजी के परिवार के सदस्यों सहित कई अन्य लोगों ने अब तक उसके सामने बयान नहीं दिया है। एजेंसी ने हाल ही में एक बयान में कहा था कि बालाजी के भाई आर वी अशोक बालाजी, उनकी (अशोक की) पत्नी निर्मला और सास पी लक्ष्मी को जांच में शामिल होने और अपने बयान दर्ज कराने के लिए कई समन भेजे गए थे, लेकिन वे अभी तक व्यक्तिगत रूप से पेश नहीं हुए हैं, जो जांच में सहयोग की कमी को दिखाता है। इस मामले में कुछ दिन पहले ही करूर स्थित निर्मला की 2.49 एकड़ जमीन ईडी ने जब्त की थी, जिसकी कीमत 30 करोड़ रुपये से अधिक है।

तमिलनाडु में मुख्यमंत्री एम के स्टालिन की सरकार में बालाजी बिना प्रभार के मंत्री बने हुए हैं। तमिलनाडु की पूर्ववर्ती अन्नाद्रमुक (ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम) सरकार में परिवहन मंत्री रहते हुए कथित नौकरी के बदले नकदी घोटाले के सिलसिले में बालाजी को 14 जून को गिरफ्तार किया गया था। बालाजी उस दिन से सात अगस्त तक न्यायिक हिरासत में थे। उच्चतम न्यायालय के एक आदेश के बाद, ईडी ने सात अगस्त को एक याचिका दायर की थी, जिसमें मामले के संबंध में पूछताछ के लिए सेंथिल बालाजी की पांच दिनों की हिरासत का अनुरोध किया गया था और अदालत ने इसकी इजाजत दे दी थी। बालाजी की पत्नी मेगाला ने मूल रूप से, यह आरोप लगाते हुए कि उनके पति ईडी की अवैध हिरासत में हैं, एक बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका (एचसीपी) दायर की थी, जिसमें एजेंसी को उनके पति को अदालत के सामने पेश करने और उन्हें रिहा करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। चार जुलाई 2023 को एक खंडपीठ ने खंडित फैसला सुनाया, जिसमें एक न्यायाधीश-न्यायमूर्ति निशा बानी ने उनकी याचिका को स्वीकार कर ली, जबकि न्यायमूर्ति भरत चक्रवर्ती ने कहा कि ईडी के पास आरोपी को हिरासत में लेने की शक्ति है। इसलिए, मामले को तीसरे न्यायाधीश के पास भेजा गया। तीसरे न्यायाधीश के रूप में नामित न्यायमूर्ति सी वी कार्तिकेयन ने 14 जुलाई को सेंथिल बालाजी की गिरफ्तारी और उसके बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजने को बरकरार रखा था। उन्होंने उस तारीख को तय करने के लिए मामले को उसी खंडपीठ के पास भेज दिया, जिस तारीख से ईडी आरोपी की हिरासत ले सकती है।

कर्नाटक ने उचित मात्रा में कावेरी जल छोड़ने से इनकार किया

सुप्रीम कोर्ट जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं : तमिलनाडु मंत्री

चेन्नई। नयी दिल्ली में शुक्रवार को आयोजित कावेरी जल नियामक समिति (सीडब्ल्यूआरसी) की बैठक में कावेरी का उचित हिस्सा जारी करने पर चर्चा के बाद तमिलनाडु को नदी का पानी नहीं दिये जाने से नाराज तमिलनाडु के प्रतिनिधिमंडल ने वाकआउट कर दिया। इसके बाद तमिलनाडु सरकार ने कहा कि पानी की कमी के कारण सूख रही खड़ी फसलों को बचाने के लिए उसके पास सुप्रीम कोर्ट में जाने के अलावा और कोई विकल्प नहीं बचा। तमिलनाडु के जल संसाधन मंत्री दुरईमुर्गन ने यहां एक बयान में कहा कि बैठक में तमिलनाडु सरकार के आग्रह के बाद सर्वसम्मति से कर्नाटक द्वारा 15 दिनों के लिए प्रति दिन 15,000 क्यूसेक पानी छोड़ने का निर्णय लिया गया। लेकिन सीडब्ल्यूआरसी की बैठक में तीन घंटे की चर्चा के बाद और राज्य द्वारा अपनी मांग पर जोर देने के बावजूद, कर्नाटक ने हमेशा की तरह अपना रुख बदल दिया और कहा कि केवल 8,000 क्यूसेक पानी छोड़ा जाएगा और वह भी 22 अगस्त तक। यह देखते हुए कि कर्नाटक के सभी चार जलाशयों में 114.571 टीएमसीएफटी की कुल क्षमता के मुकाबले 93.535 टीएमसी फीट पानी का पर्याप्त भंडारण है, उन्होंने कहा कि कर्नाटक में पानी छोड़ने का कोई इरादा नहीं है और दोनों राज्यों के बीच चल रहे इस मामले से जुड़े सभी लोग पहले से ही अच्छी तरह से जानते हैं।

REGIONAL RESEARCH INSTITUTE OF UNANI MEDICINE(RRIUM)
(NABH Accredited)
(A Unit of CCRUM, Ministry of Ayush, Govt of India)
No. 1, West Mada Church Road, Royapuram, Chennai - 13

TENDER NOTICE

On behalf of the Director General, CCRUM, New Delhi, the Research Officer In-charge, RRIUM, Chennai, invites sealed Tender Quotations from reputed firms in two bid systems (Technical bid and commercial bid) for the supply of raw drugs and materials. The detailed list of raw drugs and materials and terms and conditions can either be downloaded from CCRUM website and CPPP or may be obtained from the office of the Research Officer In-charge, Regional Research Institute of Unani Medicine, No.1, West Mada Church Road, Royapuram, Chennai - 600013.

The last date for receipt of Quotations is **5th September 2023, 5:00pm.** For any details, please check CCRUM website **www.ccrum.res.in**

Research Officer In-Charge

पूर्व प्रशासनिक अधिकारी, न्यायाधीश, कर्मचारी संघ के नेताओं सहित दिग्गज नेताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भाजपा की विचारधारा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों की सराहना करते हुए आज सेवानिवृत प्रशासनिक, न्यायिक अधिकारियों सहित कर्मचारी नेता और गुर्जर समाज के दिग्गज नेताओं ने भाजपा का दामन थाम लिया। जिसमें सेवानिवृत न्यायाधीश किशन लाल गुर्जर, पूर्व पुलिस महानिदेशक मध्यप्रदेश पवन कुमार जैन, अनिता कटारा, युगवीर पटेल, कृषि निदेशक सुभाष सिंह, अतर सिंह गुर्जर, सुशीला खैरवा, सीएम अशोक गहलोत के पूर्व ओएसडी महेन्द्र शर्मा, पूर्व विधायक मोतीलाल खरेरा, गोपीचंद गुर्जर, मृदुरेखा चौधरी, प्रोफेसर भरत सिंह, डॉ. दिनेश यादव, कर्मचारी नेता महेश कुमार व्यास और डॉ. किशन लाल मेघवाल, राजगिरी महाराज, विजय सिंह, मिश्रीनाथ, राजन राजावत, चाकसू गुर्जर समाज अध्यक्ष रामसहाय रावत, देवकरण सरपंच, राजाराम गुर्जर और भगवान सिंह गुर्जर को भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एंव प्रदेश प्रभारी अरूण सिंह, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी और नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड ने भाजपा का दुपट्टा पहनाकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण कराई।

भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने वाले सभी पूर्व अधिकरी और नेता अजमेर, भरतपुर, अलवर और जयपुर ग्रामीण सहित अन्य स्थानों से ढोल नंगाडो की धुन पर नाचते गाते सैंकडो समर्थकों के साथ भाजपा कार्यालय पहुंचे। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, राष्ट्रीय सचिव डॉ. अल्का गुर्जर सहित ज्वाइनिंग कमेटी के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी मौजूद रहे। इस दौरान प्रदेश प्रभारी अरूण सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश के कौने-कौने से कांग्रेस सहित अन्य पार्टियों को छोडकर लोग भाजपा में शामिल हो रहे हैं। प्रबुद्ध लोगों सहित विभिन्न अधिकारी सभी समाज और वर्गों से लोग कांग्रेस के जंगलराज से आहत हैं। कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में प्रदेश के किसानो से वादाखिलाफी की है जिसके चलते 19400 किसानों की जमीनें नीलाम हो गई। किसानों ने कर्ज से तंग आकर आत्महत्या कर ली। महिलाओं के खिलाफ प्रतिदिन 18 दुष्कर्म की घटनाएं और आपराधिक मामलों में बेतहाशा वृद्धि हुई है। वहीं प्रदेश में महिला दुष्कर्म और महिला उत्पीड़न के मामले लाखों में पहुंच गए। प्रदेश के मुखिया अशोक गहलोत दुष्कर्म की घटनाओं पर कार्रवाई करने के बजाया इन्हे झूंठी बताते हैं। युवा बेरोजगारी में राजस्थान आज देश में सबसे आगे पहुंच गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने वाले सभी लोगों का एक ही लक्ष्य है कि गहलोत सरकार को जड से उखाड़ फेंकना और भाजपा की ऐतिहासिक जीत के साथ विजय संकल्प में जुट जाना। राजस्थान में कानून और विकास युक्त सरकार मिले इसके लिए यह लडाई हमारी संयुक्त लडाई है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने संबोधित करते हुए कहा कि बीते 60 सालों मे जो नहीं हो पाया वह मोदी सरकार ने बीते 9 साल में कर दिखाया। भारत माता का वैभव बढा है, कश्मीर से धारा 370 हटी है। अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण कार्य चल रहा है। प्रदेश की गहलोत सरकार की जनविरोधी नीतियों के चलते युवा किसान महिला सब पेरशान हैं। प्रदेश का विकास पूरी तरह अवरूद्ध हो गया है। आज जिन लोगों ने भाजपा का दामन थामा है से सभी लोग प्रदेश के मौजूदा माहौल से बेहद व्यथित हैं। इसलिए ये सभी लोग बिना किसी शर्त के प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए भाजपा से जुड रहे हैं। प्रदेश में दलित अत्याचार चर्म पर है, जमुवारामगढ में सरकार के विधायक दलितों के साथ अनाचार कर रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस के कुशासन से प्रदेश का हर वर्ग दुखी है। प्रदेश के सारे बुद्धिजीवी इस बात को मानते हैं कि गहलोत ने जो मिशन 156 का दावा किया है वो पिछली सरकार के समय भी किया था। जिसका हश्र ये हुआ कि पूरी कांग्रेस 21 शीटों पर सिमट गई। आज हमारी महिलाएं सवाल खड़ा कर रही है महिला सुरक्षा के बारे में मुख्यमंत्री कब ध्यान देंगे।

कांग्रेस संगठन में कोई मनमुटाव नहीं है: जितेन्द्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि उनके संगठन में कोई मनमुटाव नहीं है एक परिवार में छोटी मोटी बातें तो चलती रहती हैं। सिंह ने यह बात शुक्रवार को आईएमए हॉल में हुए कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक में कही। बैठक में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने आरोप लगाया था कि हम ट्रांसफर के लिए परेशान होते हैं लेकिन ट्रांसफर नहीं होता। आरएसएस शाखा में जाने वाले लोगों के काम हो जाते हैं लेकिन कांग्रेस कार्यकर्ताओं के नहीं। उन्होंने बताया कि कांग्रेस एक परिवार है। हर किसी को अपनी बात रखने का अधिकार है। काम अच्छा हो रहा है या बेकार हो रहा है यह फीड बैक कार्यकर्ताओं से ही मिलता है और यह आपसी मामला है।

किसी भी तरीके का कोई मनमुटाव नहीं है। पाली छोटा होने के बाद भी अलवर को संभाग नहीं बनाने के सवाल पर उन्होंने कहा सीएम इस मामले में गंभीरता दिखा रहे हैं और जल्दी अलवर को संभाग बनाया जा सकता है। चुनाव में युवाओं को नेतृत्व के सवाल पर उन्होंने कहा राहुल गांधी और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के निर्देश हैं कि प्रदेश कमेटी हो या सीडब्ल्यूसी हो यह विधानसभा लोकसभा के चुनाव हो जिसमें युवाओं को वरीयता दी जाए।

पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह के प्रदेश की राजनीति में सक्रिय होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि मैं विधानसभा का सदस्य भी रह चुका हूं और लोकसभा का भी सदस्य रह चुका हूं। राजस्थान मेरी कर्म भूमि है तो इसमें राजस्थान के राजनीति में तो रहूंगा ही और मैं राजस्थान की राजनीति से बाहर भी नहीं हुआ हूं। इस अवसर पर केबिनेट मंत्री टीकाराम जूली ने कहा कि समाज को तरक्की देनी है विकास करना है तो शिक्षा का अपना अलग महत्व है। युवाओं को अच्छी क्वालिटी वाली शिक्षा दी जानी चाहिए। अलवर ग्रामीण विधानसभा इलाके में सरकारी स्कूलों की कायाकल्प हुई है। सरकारी स्कूलों की दशा और दिशा बदल गई है। अब हालात यह है कि सरकारी स्कूलों में भी मेरिट के आधार पर प्रवेश हो रहे हैं।

उत्सव

जयपुर में शनिवार को महिला मोर्चा द्वारा आयोजित 'लहरिया उत्सव कार्यक्रम' में शिरकत करती भाजपा सांसद दिया कुमारी।

नवीन युवा नीति बनेगी विजन-2030 को साकार करने का सशक्त माध्यम : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने युवाओं में समाज में परिवर्तन लाने की शक्ति बताते हुए कहा है कि उनकी ऊर्जा और नए आविष्कार की क्षमता समाज को नई दिशा दे सकती है और इसी दिशा में नवीन युवा नीति हमारे विजन 2030 को साकार करने का एक सशक्त माध्यम बनेगी। गहलोत शनिवार को जयपुर के दुर्गापुरा स्थित कृषि अनुसंधान केन्द्र में आयोजित राज्य स्तरीय युवा महापंचायत 'युवा संकल्प' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि युवा होना एक अद्भुत और महत्वपूर्ण दौर होता है, युवा शब्द सिर्फ एक आयु का ही नहीं बल्कि यह ऊर्जावान होने का भी संकेत है। नवीन युवा नीति से राजस्थान वर्ष 2030 तक देश का अग्रणी राज्य बनेगा। कार्यक्रम में राजस्थान की नवीन युवा नीति पर प्रस्तुतीकरण दिया गया तथा इस पर आधारित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। इस दौरान युवा बोर्ड के अध्यक्ष सीताराम लांबा ने मुख्यमंत्री को नवीन युवा नीति का ड्राफ्ट सौंपा। मुख्यमंत्री ने 'युवाओं की आकांक्षाएं' पुस्तिका का विमोचन किया। युवा महोत्सव में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

उन्होंने कहा कि राज्य में नई युवा नीति शीघ्र ही जारी की जाएगी। साथ ही, राज्य में 500 करोड़ रूपये का युवा विकास और कल्याण कोष बनाने का निर्णय लिया गया है। राजीव गांधी नेशनल यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत 10 हजार युवाओं को एक्सपोजर विजिट का अवसर दिया जा रहा है। जिला और राज्य स्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन भी किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में पिछले साढे चार वर्षों में युवाओं के हित में अनेक महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं। राज्य सरकार युवाओं के कल्याण, उनके रोजगार और कौशल विकास, उच्च शिक्षा के अवसर प्रदान करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। युवाओं के सुनहरे भविष्य के लिए प्रदेश का बजट युवाओं को समर्पित किया गया है।

गहलोत ने कहा कि राज्य में बेहतर कानून व्यवस्था के लिए निरंतर नवीन फैसले लिए जा रहे हैं। मनचलों का रिकॉर्ड संधारण कर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। निर्धारित समय से अधिक वक्त तक खुलने वाले बार एवं नाइट क्लबों के विरूद्ध अभियान चलाकर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि अनिवार्य एफआईआर की नीति से जनता में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अनिवार्य एफआईआर की नीति को पूरे देश में लागू करने का आग्रह किया।

गहलोत ने कहा कि प्रदेश सरकार पेपर लीक के प्रकरणों को लेकर गंभीर है। इस तरह की घटनाओं की रोकथाम के लिए स्पेशल टास्क फोर्स का गठन किया गया है।

स्मार्ट फोन के लिए जन आधार से पंजीकृत मोबाइल नंबर पर आएगा मैसेज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार द्वारा इंदिरा गांधी स्मार्ट फोन योजना के पहले चरण के तहत लाभार्थियों को स्मार्ट फोन प्राप्त करने के लिए कतार में नहीं लगना होगा, बल्कि सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से प्रत्येक पात्र लाभार्थी को जन आधार से पंजीकृत मोबाइल पर कॉल एवं मैसेज कर पूरी जानकारी दी जाएगी। जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि योजना के पहले चरण के तहत आगामी 30 सितंबर तक जयपुर एवं जयपुर ग्रामीण जिले में कुल 22 स्थानों पर शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जिला मुख्यालय पर 6 शिविर तो वहीं, 16 शिविरों का आयोजन पंचायत समिति मुख्यालय पर किया जा रहा है।राजपुरोहित ने बताया कि पहले चरण में सरकारी विद्यालयों में 9वी से 12वीं कक्षा में अध्ययनरत छात्राओं, सरकारी उच्च शिक्षण संस्थान में अध्ययनरत छात्राओं, विधवा, एकल नारी पेंशन प्राप्त कर रही महिलाओं, वर्ष 2022-23 में मनरेगा में 100 कार्य दिवस पूर्ण करने वाले वाले परिवार की महिला मुखियाओं, एवं वर्ष 2022-23 में इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना में 50 कार्य दिवस पूर्ण करने वाले परिवारों की महिला मुखिया को स्मार्ट फोन की सौगात दी जाएगी।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा लाभार्थी के ई-वॉलेट में 6125 रुपये मोबाइल फोन के लिये तथा 675 रुपये सिम कार्ड मय इंटरनेट डाटा प्लान के लिये हस्तांतरित किये जायेंगे। राज्य सरकार द्वारा अप्रैल 2024 एवं अप्रैल 2025 में भी इंटरनेट हेतु प्रति वर्ष 900 रुपये हस्तांतरित किये जायेंगे।

खाजूवाला एवं छत्तरगढ़ तहसील को बीकानेर जिले में यथावत नहीं रखा गया तो आंदोलन उग्र होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। विधानसभा क्षेत्र खाजूवाला के जनसेवक सीताराम नायक ने जिले के खाजूवाला एवं छत्तरगढ़ तहसील को अनूपगढ़ में शामिल करने की राज्य सरकार की घोषणा का विरोध किया है और कहा कि दोनों तहसील को बीकानेर जिले में यथावत रखा जाए। नायक ने मुख्यमंत्री के नाम पत्र कलेक्टर के मार्फत भिजवाकर आरोप लगाते हुए बताया कि क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने जानबूझकर जनता की भावना को सरकार के सामने गलत तरीके से पेश किया और विपक्ष भी यह चाह रहा था कि खाजूवाला, छत्तरगढ़ के लोगों को शामिल करने के पश्चात इस मुद्दे पर राजनैतिक रोटियां सेकने का काम करेंगे। जैसा खाजूवाला के विपक्ष में बैठे लोगों ने चाहा वही ऐसा हुआ। जो सरकार ने नोटिफिकेशन जारी करके खाजूवाला एवं छत्तरगढ़ को जनभावनाओं के विरुद्ध अनूपगढ़ में शामिल कर दिया गया।

नायक ने बताया कि खाजूवाला एवं छत्तरगढ़ की जनता पिछले कई दिनों से सड़कों पर आंदोलनरत है। दफ्तर, बाजार, सहित अनेक प्रतिष्ठन बंद है। क्षेत्र की जनता की भावनाओं के साथ सरकार ने खिलवाड़ किया है। खाजूवाला, छत्तरगढ़ के लोगों का रहन-सहन, वेशभूषा, व्यापार व रिश्तेदारी आपसी लगाव बीकानेर जिले से जुड़ी है।

अभियोजन एवं अन्वेषण स्तर पर संभावित त्रुटियों के समाधान पर हो विशेष ध्यान : गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विधि एवं विधिक कार्य विभाग के प्रमुख शासन सचिव ज्ञानप्रकाश गुप्ता ने लोक अभियोजक की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि लोक अभियोजकों द्वारा पोक्सो के प्रकरणों में प्रखरता एवं दक्षता के साथ कार्य करने की आवश्यकता है जिससे कि पोक्सो के प्रकरणों में सफलता दर में वृद्धि हो तथा अभियुक्त को पर्याप्त दंड मिल सके।

गुप्ता शनिवार को यहाँ शासन सचिवालय स्थित कांफ्रेंस हॉल में आयोजित पोक्सो प्रकरणों में अभियोजन में प्रखरता लाने हेतु कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने मौजूद लोक अभियोजकों से अभियोजन में आ रही समस्याओं पर विस्तार से चर्चा कर कहा कि हमे मौजूदा आधारभूत संरचना में सामंजस्य स्थापित कर अपने उत्तरदायित्वों को पूरा करना चाहिए।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विधि सचिव श्रीमती अनुपमा राजीव बिजलानी ने भी पोक्सो के प्रकरणों की सफलता दर में वृद्धि हेतु अपने विचार व्यक्त कर सभी अभियोजकों समस्याओं पर व्यापक चर्चा की।

जिससे की अभियोजन कार्यवाही में दक्षता एवं प्रखरता लायी जा सके। इस दौरान विधि विभाग के संयुक्त विधि परामर्शी विवेक चौहान द्वारा पीपीटी प्रस्तुतिकरण के माध्यम से पाक्सो प्रकरणों में अभियुक्त की दोषमुक्ति में रहने वाली कमियां एवं अन्वेषण स्तर पर संभावित त्रुटियों से प्रतिभागियों को अवगत करवाया गया। इस दौरान पोक्सो मामलों में सर्वाधिक दोष सिद्धि दर प्राप्त करने वाले लोक अभियोजकों को सम्मानित किया गया। इस दौरान पोक्सो एक्ट के विभिन्न कानूनी एवं सामाजिक आयामों पर चर्चा की गयी।

कार्यशाला के दौरान विधि एवं विधिक कार्य विभाग के विशिष्ट सचिव गिरिजेश ओझा ने पोक्सो एक्ट के तहत आ रही वास्तविक आयामों पर विस्तार से चर्चा कर कहा कि वर्तमान कानून को ध्यान से पढ़ें व गवाहों की सूची तैयार कर सम्पूर्ण तैयारी के साथ मामलों पर कार्य किया जाये तो परेशानियों का हल निकाला जा सकता है।

उन्होंने इस दौरान पोक्सो मामलों में जांच और उम्र निर्धारण में चूक के कारण बरी हुए आरोपियों के मामलों गहनता से चर्चा की।

अनीता भदेल ने क्षेत्रवासियों के साथ किया रास्ता जाम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। राजस्थान की पूर्व महिला एवं बाल विकास मंत्री अनीता भदेल ने आज अपने अजमेर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के श्रीनगर रोड राजा साईकल चौराहे पर क्षेत्रवासियों के साथ रास्ता जाम किया। इस दौरान विधायक भदेल ने माथे पर काली पट्टी बांध कर विरोध प्रदर्शन किया। अजमेर विधायक भदेल ने बताया कि अलवरगेट थाना क्षेत्र से जुड़े अनेक क्षेत्रों के नागरिकों को मूलभूत सुविधाओं से ही महरूम होना पड़ रहा है।

बिजली-पानी-सड़क-सफाई जैसे कामों के लिये जनता परेशान है । उन्होंने बताया कि सभी क्षेत्रवासियों की आवाज को सरकार और प्रशासन तक पहुंचाने के लिए हमें सड़कों पर उतरना पड़ रहा है। कांग्रेस की निकम्मी सरकार जनता की ओर ध्यान नहीं दे रही। सड़के खस्ताहाल हैं, चलना दुभर हो रहा है। राजा साईकल चौराहे से मेयो लिंक रोड, गुलाबबाड़ी बालाजी मंदिर, तेजाजी मंदिर, नृसिंह मंदिर, ठाकुर मंदिर की ओर श्रद्धालुओं का सहजता से पहुंच पाना मुश्किल हो गया है। प्रदर्शन के दौरान सड़क पर जाम की सूचना पर अलवरगेट पुलिस सीआई श्याम शरण चारण जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे और समझाईश की। कुछ घंटों की मशक्कत के बाद माहौल सामान्य हो गया।

अचानक तबियत बिगडने से शिक्षिका और किशोर की मौत

भीलवाडा/दक्षिण भारत। राजस्थान के भीलवाडा जिले में स्कूल में शिक्षिका और घर पर किशोर की हालत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। दोनों शव मोर्चरी में सुरक्षित रखवाये गये हैं। एमजीएच चौकी सूत्रों के अनुसार पटेलनगर निवासी स्वाति हावा 36 खैराबाद स्कूल में शिक्षिका थी। शनिवार को वह स्कूल गई, जहां अचानक स्वाति की तबीयत बिगड़ गई। उसे स्कूल स्टॉफ जिला अस्पताल ले गया, जहां डॉक्टर्स ने स्वाति को मृत घोषित कर दिया। मौत के कारण अभी सामने नहीं आये हैं।

इसी तरह एक अन्य घटना शाहपुरा के सारांश गांव में हुई। जहां महेंद्र गुर्जर 17 की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद परिजन उसे शाहपुरा अस्पताल ले गये, उसे भीलवाड़ा रैफर कर दिया गया। यहां उपचार के दौरान महेंद्र ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव मोर्चरी में सुरक्षित रखवाये हैं।

प्रेरणा

जयपुर में शनिवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कैंसर रोग विजेताओं से भेंट कर उन्हें इस गंभीर बीमारी से लड़ने की सशक्त प्रेरणा दी।

उप्र में छह वर्ष पहले लचर कानून-व्यवस्था के चलते उद्योग लगाने में लोग डरते थे : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को विपक्ष की पूर्ववर्ती सरकारों की आलोचना करते हुए कहा कि छह वर्ष पूर्व लचर कानून-व्यवस्था के चलते राज्य में लोग उद्योग लगाने और कारोबार करने में डरते थे तथा प्रदेश में निवेश दूर की कौड़ी थी।

यहां गीडा सेक्टर-26 में मेसर्स केयान डिस्टलरीज प्राइवेट लिमिटेड के 1200 करोड़ रुपए के निवेश वाले एथेनॉल एवं ईएनए प्लांट का भूमिपूजन एवं शिलान्यास करने के बाद समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जब उद्यमी और व्यापारी ही सुरक्षित नहीं थे तब उनकी पूंजी कैसे सुरक्षित रहती। उन्होंने आरोप लगाया कि बाहर से निवेशकों का यहां आना तो दूर, यहां के उद्यमी-व्यापारी भी भाग रहे थे। पिछले छह सालों में राज्य की कानून व्यवस्था पूरे देश में नजीर बने रहने का दावा करते हुए उन्होंने कहा कि हर निवेशक उत्तर प्रदेश आना चाहता है, अधिक से अधिक निवेश करना चाहता है तथा फरवरी में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में मिला 36 लाख करोड़ रुपए का निवेश प्रस्ताव इसका प्रमाण है। शनिवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने कहा कि छह साल पहले सपा-बसपा की सरकारों में प्रदेश के लोगों के सामने पहचान का संकट था। उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश के नौजवानों को देश में कोई ठौर-ठिकाना नहीं मिलता था। दूसरे राज्यों में लोग किराए पर मकान नहीं देना चाहते थे। हॉस्टल मिलने में दिक्कत होती थी। उसे पहचान छुपाने को मजबूर होना पड़ता था। आज नौजवानों के सामने पहचान का कोई संकट नहीं। योगी ने कहा कि नए एथेनॉल प्लांट की शुरुआत होने से सहजनवा का विकास ग्रीन एनर्जी के नए केंद्र के रूप में होगा और अन्नदाता किसानों की आमदनी तो कई गुना बढ़ेगी ही, ऊर्जा व पेट्रोलियम के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता भी बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सहजनवा के जिस भीटी रावत में एथेनॉल संयंत्र लगने जा रहा है, वहीं 10 वर्ष पूर्व सपा सरकार बूचड़खाना लगाना चाहती थी लेकिन आंदोलन कर उसे रोका गया क्योंकि अगर यहां सपा सरकार का थोपा गया बूचड़खाना होता तो अन्य कोई उद्योग नहीं लग पाता।

राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढ़ा ने सोशल मीडिया पर अपना परिचय बदला

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता एवं राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्वीटर) पर अपना परिचय (बायो) शनिवार को बदलकर 'निलंबित संसद सदस्य' कर दिया। इससे एक दिन पहले चड्ढा को नियमों के घोर उल्लंघन, कदाचार, अपमानजनक रवैये और अवमाननापूर्ण आचरण के लिए राज्यसभा से विशेषाधिकार समिति की रिपोर्ट आने तक निलंबित कर दिया गया।

सदन के नेता पीयूष गोयल ने राघव चड्ढा द्वारा नियमों का उल्लंघन किए जाने तथा सदन की एक समिति के लिए चार सदस्यों का नाम उनकी सहमति लिए बिना प्रस्तावित करने का मुद्दा उठाया। चड्ढा पर आरोप है कि उन्होंने राज्यसभा में 'राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) विधेयक, 2023' को पारित कराने की प्रक्रिया के दौरान प्रवर समिति के गठन का प्रस्ताव दिया था और इस समिति के लिए चार सांसदों.. सस्मित पात्रा (बीजू जनता दल), एस फान्गनॉन कोन्याक (भारतीय जनता पार्टी), एम थंबीदुरई (ऑल इंडिया अन्ना द्रमुक मुनेत्र कषगम) और नरहरि अमीन (भाजपा) के नाम उनकी अनुमति के बिना शामिल किए थे।

असम : अंतिम परिसीमन रिपोर्ट के खिलाफ प्रदर्शन

गुवाहाटी/भाषा। असम में विधानसभा और लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों से संबंधित अंतिम परिसीमन रिपोर्ट के खिलाफ राज्य के शिवसागर जिले में शनिवार को प्रदर्शन किया गया। कुछ प्रदर्शनकारियों ने अंतिम परिसीमन रिपोर्ट के खिलाफ आपत्ति दर्ज कराने के लिए अपनी कमीज भी उतार दी। वहीं, एक तिवा संगठन ने दावा किया कि मोरीगांव सीट के आरक्षण की उसकी मांग अनसुनी कर दी गई है। 'ऑल तिवा स्टूडेंट्स एसोसिएशन' ने मोरीगांव विधानसभा क्षेत्र को अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित न करने के खिलाफ अपना विरोध जताया।

अंतिम रिपोर्ट शुक्रवार को प्रकाशित की गई जिसमें विधानसभा क्षेत्रों की संख्या 126 और लोकसभा सीट की संख्या 14 बरकरार रखी गई है। हालांकि, इसमें एक संसदीय क्षेत्र और 19 विधानसभा क्षेत्रों का नाम संशोधित किया गया है जैसा कि मसौदा अधिसूचना में उल्लिखित था। परिसीमन की कार्यवाही निर्वाचन आयोग ने पूरी की थी। आयोग के एक बयान के अनुसार, 19 विधानसभा और दो लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षित किए गए हैं, जबकि नौ विधानसभा और एक लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित किए गए हैं।

गुजरातः तिरंगे के 'अपमान' वाला ऑडियो क्लिप वायरल होने के बाद मौलवी को हिरासत में लिया गया

पोरबंदर (गुजरात)/भाषा। गुजरात के पोरबंदर शहर में एक मौलवी को ऑडियो क्लिप के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद हिरासत में ले लिया गया, जिसमें उसने राष्ट्रीय ध्वज का कथित तौर पर अपमान किया था। पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (एसपी) भागीरथ सिंह जडेजा ने कहा कि आरोपी की पहचान वासिद रजा के रूप में हुई है। रजा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किए जाने के बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लिया। जडेजा ने बताया कि मौलवी पर राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने और विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने के आरोप में मामला दर्ज किया है। पोरबंदर में नगीना मस्जिद के मौलवी से इस साल जनवरी में उसके व्हाट्सएप ग्रुप में पूछा गया था कि क्या मुसलमानों को राष्ट्रीय ध्वज फहराना चाहिए और उसे सलाम करना चाहिए तथा राष्ट्रगान गाना चाहिए।

बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए 915 तीर्थयात्रियों का नया जत्था रवाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। एक दिन के अवकाश के बाद अमरनाथ गुफा मंदिर में 'बाबा बर्फानी' के दर्शन के लिए 915 तीर्थयात्रियों का नया जत्था शनिवार सुबह स्थानीय भगवती नगर आधार शिविर से रवाना हुआ। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि तीर्थयात्री कड़ी सुरक्षा के बीच तड़के साढ़े तीन बजे से पौने चार बजे के बीच 33 वाहनों के काफिले में गुफा मंदिर के लिए रवाना हुए। उन्होंने बताया कि 97 महिलाओं, 25 साधुओं और तीन साध्वियों सहित 675 तीर्थयात्री अनंतनाग जिले के पहलगाम आधार शिविर की ओर तथा 240 श्रद्धालु गांदेरबल जिले के बालटाल आधार शिविर की ओर रवाना हुए।

दक्षिण कश्मीर के हिमालयी क्षेत्र में 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा के लिए एक जुलाई से 62-दिवसीय यात्रा शुरू हुई थी और अब तक 4.31 लाख से अधिक श्रद्धालु हिम शिवलिंग के दर्शन कर चुके हैं।

तीर्थयात्रियों की संख्या में भारी कमी के मद्देनजर अधिकारियों द्वारा जम्मू और कश्मीर से यात्रा को वैकल्पिक रूप से चलाने का निर्णय लेने के बाद शुक्रवार को श्रद्धालुओं का कोई भी काफिला भगवती नगर आधार शिविर से रवाना नहीं हुआ।

अधिकारियों ने बताया कि 23 जुलाई को गुफा मंदिर में प्राकृतिक रूप से बने बर्फ के शिवलिंग के पिघलने के कारण तीर्थयात्रियों की संख्या में कमी आई। अमरनाथ यात्रा का समापन 31 अगस्त को होगा।

अडाणी समूह के ऑडिटर को समय से पहले कामकाज छोड़ने के लिए मजबूर किया जा रहा है : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने अडाणी समूह की कंपनी अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन लिमिटेड की ऑडिटर 'डेलॉयट' के ऑडिट का कामकाज छोड़ने की तैयारी के बीच शनिवार को आरोप लगाया कि यह कारोबारी समूह अपने लेन-देन को छिपाने के लिए कुछ भी करने को तैयार है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि इस ऑडिटर को समय से पहले कामकाज छोड़ने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

गौरतलब है कि अडाणी समूह की कंपनी अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन लि. की ऑडिटर डेलॉयट, कंपनी के ऑडिट के कामकाज को छोड़ने की तैयारी कर रही है। ऑडिट सेवा और परामर्श कंपनी ने अमेरिकी वित्तीय शोध और निवेश कंपनी हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में चिह्नित कुछ लेन-देन पर चिंता जताई थी। डेलॉयट ने तीन लेन-देन को लेकर सवाल उठाए थे। इसमें हिंडनबर्ग रिपोर्ट में चिह्नित एक 'कॉन्ट्रैक्टर' से 'रिकवरी' भी शामिल थी। अमेरिकी संस्था हिंडनबर्ग ने इस साल 24 जनवरी को अपनी रिपोर्ट में अडाणी समूह पर धोखाधड़ी, शेयरों में गड़बड़ी और धन शोधन के आरोप लगाए थे। साथ ही संबद्ध पक्षों के बीच लेन-देन की बात कही थी। इसके बाद से कांग्रेस इस कारोबारी समूह पर लगातार हमले कर रही है। अडाणी समूह ने सभी आरोपों को निराधार बताया था।

कांग्रेस नेता रमेश ने एक बयान में कहा, प्रधानमंत्री के पसंदीदा कारोबारी समूह के संदिग्ध लेन-देन के कारण डेलॉयट हास्किन्स एंड सेल्स ने कथित तौर पर 'अडाणी पोर्ट्स एंड एसईज़ेड' के ऑडिटर की जिम्मेदारी छोड़ने का असामान्य कदम उठाया है। उन्होंने दावा किया, इससे पहले ऑडिटर ने कंपनी के खातों पर एक 'क्वालिफ़ाइड ओपिनियन' जारी की थी, जिसमें कहा गया था कि तीन संस्थाओं के साथ अडाणी पोर्ट्स के लेन-देन को असंबंधित पक्षों से लेन-देन के तौर पर नहीं दिखाया जा सकता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ऑडिटर ने यह भी कहा था कि स्वतंत्र बाहरी जांच कराने से इसकी पुष्टि करने में मदद मिल सकती थी, लेकिन अडाणी पोर्ट्स ने उसके लिए मना कर दिया।

जरूरत पड़ी तो अपने निलंबन के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख कर सकता हूं : चौधरी

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी ने शनिवार को कहा कि जरूरत हुई तो वह लोकसभा से अपने निलंबन के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख कर सकते हैं और इस संदर्भ में विचार-विमर्श चल रहा है। उन्होंने संवाददाताओं से यह भी कहा कि लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर अपनी बात रखते हुए उन्होंने उपमा के रूप में कुछ शब्दों का इस्तेमाल किया था और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी या किसी भी व्यक्ति का अपमान करना उनका मकसद नहीं था।

लोकसभा में कांग्रेस के नेता चौधरी ने कटाक्ष करते हुए यह भी कहा कि उन्हें पहले 'फांसी पर चढ़ा दिया गया' और फिर कहा जा रहा है कि मुकदमा चलाएंगे।

संसद के निचले सदन में अविश्वास प्रस्ताव पर हुई चर्चा के दौरान कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लेकर की गई कुछ टिप्पणियों और उनके आचरण को लेकर बृहस्पतिवार को उन्हें सदन से निलंबित कर दिया गया था तथा उनके खिलाफ इस मामले को जांच के लिए विशेषाधिकार समिति के पास भेज दिया गया।

जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए राज्यों के बीच सहयोग जरूरी : राय

नई दिल्ली/भाषा। जलवायु परिवर्तन के कारण दिल्ली जैसे शहरों में जल सुरक्षा को खतरा होने के बीच, दिल्ली सरकार के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा है कि मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियां अकेले राष्ट्रीय राजधानी के लिए एक चुनौती नहीं है और ऐसी स्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने के वास्ते राज्यों के बीच सहयोग जरूरी है।

पिछले महीने दिल्ली में आई बाढ़ के बाद अपने पहले साक्षात्कार में राय ने कहा कि भारत सहित विकासशील देश विकसित देशों के कार्यों के परिणामों का खामियाजा भुगत रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन और वायु प्रदूषण को राष्ट्रीय राजनीति का मुद्दा बनाने से पूरे देश में पारिस्थितिकी रूप से अनुकूल विकास का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। उन्होंने कहा, जलवायु परिवर्तन का प्रभाव सिर्फ दिल्ली में ही नहीं पड़ा है, बल्कि यह पूरी दुनिया के लिए एक चुनौती है। विकसित देशों का जलवायु परिवर्तन में सबसे अधिक हाथ है क्योंकि उन्होंने उपयुक्त नियंत्रण और संतुलन के बिना प्राकृतिक संसाधनों का दोहन किया है। कई देशों ने विकसित देशों की राह पर चलते हुए प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन किया। अब, वे नतीजे भुगत रहे हैं। यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा है जो समग्र रूप से मानवता से संबंधित है।

नगा महिलाओं ने मणिपुर में निर्वस्त्र की गई पीड़िताओं के लिए न्याय की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोहिमा/भाषा। नगालैंड में महिला आदिवासी संगठनों ने शनिवार को विरोध प्रदर्शन किया और मणिपुर में जारी जातीय संघर्ष के दौरान महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाने व दुष्कर्म के आरोपियों के लिए कठोर सजा की मांग की।

प्रदर्शनकारियों ने मणिपुर में लोगों की हत्याएं,घरों और धार्मिक स्थलों को जलाने की घटना की कड़ी निंदा करते हुए केंद्र से तत्काल हस्तक्षेप करने एवं राज्य में शांति एवं सामान्य स्थिति बहाल करने की मांग की।

प्रदर्शनकारी महिलाएं बैनर और तख्तियां लिए हुई थीं जिनमें से कुछ पर लिखा था, हम महिलाओं को (निर्वस्त्र)घुमाने और सामूहिक दुष्कर्म की निंदा करते हैं, महिलाओं के अधिकारों के लिए खड़े हों, हिंसा रोकें और मरहम लगाएं, हम मणिपुर में शांति चाहते हैं, दुष्कर्म दंडात्मक अपराध है, और, दया नहीं, बलात्कारियों को सूली पर चढ़ाओ'।

पीएचक्यू चौराहे पर आयोजित प्रदर्शन में नगालैंड की अंगामी, ओ, चाखेसांग, लोथ, पोचुरी, रेंगमा, सीमा और जेलियांग आदिवासी संगठनों की महिलाओं ने हिस्सा लिया और सेंट्रल नगालैंड वुमेन एसोसिएशन (सीएनडब्ल्यूए) ने इसका समर्थन किया।

सीएनडब्ल्यूए अध्यक्ष अतोली सीमा ने प्रदर्शन से इतर संवाददातओं से कहा, मोमबत्ती जुलूस या सजा से दुष्कर्म की घटनाएं नहीं रुकेंगी। बलात्कारियों के लिए कठोर कानून की आवश्यकता हैं, उनको मार देना चाहिए, फांसी पर लटकाना चाहिए या जिंदा जला देना चाहिए। उनके साथ ऐसा ही व्यवहार किया जाना चाहिए जैसा वे महिलाओं के साथ करते हैं। पूरे देश में दुष्कर्म के अपराध को रोकने के लिए नए और कड़े कानून बनाना चाहिए।

जम्मू कश्मीर के बडगाम में तिरंगा रैली निकाली गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में शनिवार को तिरंगा रैली निकाली गई, जिसमें खिलाड़ियों, एनजीओ स्वयंसेवकों और सुरक्षा कर्मियों सहित सभी क्षेत्रों के लोगों ने हिस्सा लिया।

रैली के मद्देनजर बडगाम स्टेडियम से पुराने बस स्टैंड तक जुलूस निकालते समय प्रतिभागियों ने तिरंगा लहराया। जिलाधिकारी अक्षय लाब्रू ने कहा, हमें वास्तव में लोगों की संख्या में कटौती करनी पड़ी क्योंकि भारी भीड़ जुट रही थी और सड़कों पर जगह सीमित थी।

तिरंगा रैली के दौरान पूरे बडगाम शहर में जय हिंद के नारे सुने जा सकते थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 11 अगस्त को लोगों से 13 से 15 अगस्त के बीच 'हर घर तिरंगा' अभियान में भाग लेने का आग्रह किया था। उन्होंने लोगों से कहा था कि 'तिरंगा' स्वतंत्रता और राष्ट्रीय एकता की भावना का प्रतीक है।

अब दिल्ली होगी साफ, एमसीडी ने सफाई अभियान शुरू किया : केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली नगर निगम ने शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी भर में सफाई अभियान शुरू किया और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यह अभियान निश्चित रूप से सफल होगा और शहर को साफ सुथरा बनाएगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह अभियान एक नगर निगम वार्ड से शुरू हुआ और आने वाले दिनों में इसे आगे ले जाया जायेगा।

केजरीवाल ने एक्स पर पोस्ट किया, दिल्ली नगर निगम द्वारा मेगा सफ़ाई अभियान – अब दिल्ली होगी साफ़ – शुरू करने पर बहुत बहुत बधाई और शुभकामनाएं। मुझे पूरी उम्मीद है कि ये अभियान ज़रूर सफल होगा और हमारी दिल्ली साफ़ सुथरी बनेगी। आम आदमी पार्टी के विधायक दिल्ली नगर निगम के प्रभारी दुर्गेश पाठक के पोस्ट को साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने यह टिप्पणी की। आम आदमी पार्टी दिल्ली नगर निगम में सत्ताधारी पार्टी है। इससे पहले पाठक ने अपने पोस्ट में लिखा, पिछले 15 साल में भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली को कूड़े का ढेर बना दिया था। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आह्वान पर सारे पार्षद और सारे स्वयंसेवी अब दिल्ली नगर निगम के कर्मचारियों के साथ मिलकर दिल्ली को साफ़ करने में लग गए हैं। पाठक ने लिखा, इसी क्रम में नन्द नगरी से आम आदमी पार्टी के पार्षद रमेश कुमार बसैया जी ने आपने वार्ड में युद्ध स्तर पर सफ़ाई अभियान शुरू कराया।

अध्यापिका ने तीन लोगों पर लगाया दुर्व्यवहार का आरोप, एक गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नोएडा (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश में गौतमबुद्ध नगर जिले के थाना फेस-वन में एक अध्यापिका ने तीन लोगों के खिलाफ दुर्व्यवहार के आरोप में मामला दर्ज कराया है।

थाना फेस-वन के प्रभारी निरीक्षक ध्रुव भूषण दुबे ने बताया कि सेक्टर 10 में रहने वाली एक अध्यापिका ने जगबीर, सतबीर तथा बलबीर नामक तीन लोगों के खिलाफ अश्लील हरकत, मारपीट करने और गाली गलौच करने के आरोप में मामला करवाया है। उन्होंने बताया कि पीड़िता का आरोप है कि ये लोग खुद को एक हिंदुवादी संगठन के नेता बताते हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने आरोपी जगबीर को गिरफ्तार कर लिया है। अन्य आरोपियों की पुलिस तलाश कर रही है।

विराट कोहली ने सोशल मीडिया पर अपनी कमाई की खबरों का खंडन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने शनिवार को सोशल मीडिया पर छा रही उन खबरों का खंडन किया जिसमें दावा किया कि उन्हें इंस्टाग्राम के जरिये प्रत्येक प्रायोजित पोस्ट के लिए 11.4 करोड़ रुपए की अकल्पनीय कमाई हुई। इंस्टाग्राम के 'शेड्यूलिंग टूल होपर एचक्यू' में टैग 'इंस्टग्राम रिच लिस्ट 2023' की खबर के अनुसार कोहली की मेटा मंच पर प्रत्येक पोस्ट की कमाई 11 करोड़ रुपए से ऊपर की है जिसे पूर्व भारतीय कप्तान ने 'गलत ठहराया'।

कोहली ने अपने ट्वीटर हैंडल पर लिखा, मैंने जीवन में जो कुछ हासिल किया है, उसके प्रति आभारी और शुक्रगुजार हूं लेकिन सोशल मीडिया से मेरी कमाई की जो खबर इतनी छाई हुई है, वह सच नहीं है। कोहली के साथ बालीवुड स्टार प्रियंका चोपड़ा का नाम भी 'होपर सूची' में है, जिसमें फुटबॉल सुपरस्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो (प्रत्येक पोस्ट करीब 26 करोड़ रुपए) और लियोनल मेस्सी (प्रत्येक पोस्ट करीब 21 करोड़ रुपए) शीर्ष पर हैं।

कोहली के इंस्टाग्राम पर 256 मिलियन (25.6 करोड़) फॉलोअर्स हैं और वह सूची में 14वें और चोपड़ा 29वें स्थान पर हैं। कोहली को इससे पहले 2019 और 2021 में इस 'इंस्टा रिच सूची' में शामिल किया गया था।

वह 2021 में 23वें स्थान पर थे जबकि इससे दो साल पहले कोहली के हैंडल को वर्ष का सर्वाधिक व्यस्त खाता यानी 'मोस्ट एंगेज्ड अकाउंट ऑफ द ईयर' माना गया था।

केंद्र ने मणिपुर में अत्याचार में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की: ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने मणिपुर में अत्याचार में शामिल लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है।

बनर्जी ने कहा कि 'पीएम केयर्स फंड, राफेल सौदे, नोटबंदी जैसे मुद्दों से घिरे प्रधानमंत्री भ्रष्टाचार पर नहीं बोल सकते हैं। उनकी टिप्पणी से कुछ घंटे पहले ही प्रधानमंत्री मोदी ने यहां वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये जी-20 भ्रष्टाचार-रोधी मंत्रिस्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भारत में भ्रष्टाचार को बिल्कुल बर्दाश्त न करने की सख्त नीति है।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ने कहा कि प्रधानमंत्रीबिना किसी सबूत के विपक्ष पर आरोप लगा रहे हैं, क्योंकि भाजपा नहीं चाहती कि देश के गरीब लोग जीवित रहें।

बनर्जी ने एक ऑडियो संदेश में कहा, प्रधानमंत्री देश को गुमराह कर रहे हैं। वह बिना किसी सबूत के बोल रहे हैं। भाजपा नहीं चाहती कि देश में कोई गरीब जीवित रहे। वह भ्रष्टाचार पर नहीं बोल सकते, क्योंकि भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार के कई आरोप हैं, चाहे वह राफेल विमान सौदा हो या नोटबंदी।

बनर्जी ने कहा, भाजपा ने इस पूर्वोत्तर राज्य में अत्याचार में शामिल लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है। उनकी टिप्पणी जाहिर तौर पर प्रधानमंत्री के उस आरोप का जवाब है, जिसमें उन्होंने कहा था कि विपक्ष संसद में मणिपुर पर चर्चा नहीं चाहता था। उन्होंने आरोप लगाया, पश्चिम बंगाल में ग्रामीण चुनावों के दौरान उनके (भाजपा) द्वारा 15-16 लोगों की हत्या कर दी गई है। इस इन घटनाओं में उनकी (भाजपा की) संलिप्तता है।

सुविचार

ज़िन्दगी की सबसे बड़ी खुशनसीबी
ये हैं की, जब हम रूठ जाये
तो कोई मनाने वाला हो।

ट्वीट

सरकारी दफ्तर में रेप, स्कूल में रेप, सड़क पर रेप, कांग्रेस के कुशासन ने राजस्थान को 'रेपिस्तान' बना दिया है। प्रदेश के हर कोने में रोज बेटियों के साथ दुराचार हो रहा है, उनकी हत्याएं हो रही हैं; लेकिन, गहलोत जी बेटियों को सुरक्षा देने के बजाय उनपर राजनीति कर रहे हैं।

-अर्जुनराम मेघवाल

आज अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर बचत, राहत, बढ़त के बजट में घोषित 'राजस्थान की नवीन युवा नीति' के प्रस्तुतीकरण कार्यक्रम में शिरकत की। प्रदेश सरकार युवाओं हेतु रोजगार सृजन, शिक्षण, खेल संवर्धन से लेकर हर कदम पर समर्पण भाव से काम कर रही है।

-अशोक गहलोत

कहानी

ऑगस्ट स्ट्रिंडबर्ग

पुर्जा

सामान की आखिरी खेप जा चुकी थी। किराएदार, क्रेपबैंड हैटवाला जवान आदमी, खाली कमरों में अंतिम बार पक्का करने के लिए घूमता है कि कहीं पीछे कुछ छूट तो नहीं गया। कुछ नहीं भूला, कुछ भी नहीं। वह बाहर सामने हॉल में गया। पक्का निश्चय करते हुए कि इन कमरों में जो कुछ भी उसके साथ हुआ वह उसे कभी याद नहीं करेगा। और अचानक उसकी नजर कागज के अधपन्ने पर पड़ी, जो पता नहीं कैसे दीवाल और टेलीफोन के बीच फ़ँसा रह गया था। कागज पर लिखावट थी। जाहिर है एक से ज्यादा लोगों की। कुछ प्रविष्टियाँ पेन और स्याही से बड़ी स्पष्ट थीं, जबकि बाकी दूसरी लेड पेंसिल से घसीटी हुई। यहाँ-वहाँ लाल पेंसिल का भी प्रयोग हुआ था। दो साल में उसके साथ इस घर में जो कुछ भी हुआ था, यह उन सबका रिकॉर्ड था। सारी चीजें, जिन्हें भूल जाने का उसने मन बनाया था, लिखी हुई थीं। कागज के एक पुर्जे पर यह एक मनुष्य के जीवन का एक कतरा था।

उसने उस पेपर को निकाला; यह स्क्रिबलिंग पेपर का एक टुकड़ा था। पीला और सूरज की तरह चमकता हुआ। उसने उसे ड्राइंग रूम के कार्निश पर रख दिया और उस पर आँखें गड़ा दीं। लिस्ट के शीर्ष पर एक औरत का नाम था : 'एलिस'। संसार में सबसे सुंदर नाम, जैसा उसे तब लगा था। क्योंकि यह उसकी मँगेतर का नाम था। नाम के बाद एक नंबर था : '1511'। लगता है यह बाइबिल के एक स्त्रोत का नंबर था, स्त्रोत बोर्ड पर। उसके नीचे लिखा था, 'बैंक'। जहाँ उसका काम था, उसका पवित्र काम – जिसके द्वारा ही उसका मकान, उसकी रोटी और पत्नी, सब – उसके जीवन का आधार। परंतु शब्द पेन से कटा था। क्योंकि बैंक फेल हो गया था। हालाँकि उसने बाद में दूसरा काम पा लिया था। परंतु दुश्चिंता और बेचैनी के एक छोटे-से अंतराल के बाद।

अगली प्रविष्टि थी: 'फूलों की दुकान और घोड़ों आदि का खर्च'। ये उसकी सगाई से संबंधित थे। जब उसकी जेबों में भरपूर पैसे थे।

तब आया, 'फर्नीचर डीलर और पेपर हैंगर'। उसका घर सजाया जा रहा था। 'फॉरवर्डिंग एजेंट' – वे प्रवेश कर रहे थे। 'ऑपेरा-हाउस का बॉक्स-ऑफ़िस, नंबर 50-50' – उनकी नई-नई शादी हुई थी। इतवार की शामों को वे ऑपेरा जाते। उनके जीवन के खूब खुशी के दिन। जब वे शांत चुपचाप बैठते। उनकी आत्मा परी देश के सौंदर्य और लय में परदे के पीछे मिलती।

उसके पश्चात एक आदमी का नाम था, काटा हुआ। वह एक दोस्त हुआ करता था। उसकी जवानी का। एक आदमी जो सामाजिक तराजू पर बहुत ऊँचा चढ़ा, लेकिन गिरा। सफलता के मद में, सफलता से बिगड़ कर, गहन गर्त में। और फिर उसे देश छोड़ना पड़ा।

सौभाग्य इतना अस्थिर था!

अब, पति-पत्नी के जीवन में कुछ नया आया। अगली प्रविष्टि एक स्त्री की लिखावट में थी : नर्स। कौन-सी नर्स? हाँ, वही बड़े लबादे और सहानुभूतिपूर्ण चेहरेवाली। जो कभी ड्राइंग रूम से हो कर नहीं जाती बल्कि दालान से सीधे बेड रूम में जाती।

उसके नीचे लिखा था, डॉ. एल।

और अब, लिस्ट पर पहली बार कोई रिश्तेदार आया : 'ममा'। यह उसकी सास थी। जो उनकी नई-नवेली खुशी को भंग न करने के लिए अब तक जानबूझ कर दूर थी। लेकिन अब उसकी जरूरत थी। वह आ कर खुश थी।

बहुत सारी प्रविष्टियाँ लाल और नीली पेंसिल से थीं: 'नौकर रजिस्ट्री ऑफिस' – नौकरानी छोड़ गई थी और एक नई को लगाना है। 'केमिस्ट' – हा! जीवन में कालिमा आ गई थी। डेयरी मिल्क का ऑर्डर दिया गया – 'स्टेरेलाइज्ड दूध'!

'कस्साई, किराना आदि।' घर के काम टेलीफोन से हो रहे थे; मतलब मालकिन अपनी पोस्ट पर नहीं थी। नहीं, वह नहीं थी। वह लेटी हुई थी। आगे क्या लिखा था वह पढ़ नहीं पाया। क्योंकि उसकी आँखों के आगे अँधेरा छा गया; वह नमकीन पानी में से देखता हुआ एक डूबता हुआ आदमी था। फिर भी, वहाँ लिखा था, बहुत साफ़ : 'अंडरटेकर – एक बड़ा ताबूत और एक छोटा ताबूत।' और 'धूल' शब्द पद कोष्ठक में जुड़ा हुआ था।

पूरे रेकॉर्ड का यह अंतिम शब्द था 'धूल'। धूल के साथ वह समाप्त हुआ! और ठीक-ठीक यही होता है जिंदगी में। उसने पीला कागज लिया, उसे चूमा। कायदे से तहाया और अपनी पॉकेट में रख लिया। दो मिनट में वह अपनी जिंदगी के दो वर्ष फिर से जी गया।

परंतु जब उसने घर छोड़ा वह हारा हुआ नहीं था। इसके विपरीत, एक प्रसन्न और गर्वित आदमी की तरह वह अपना सिर ऊँचा किए हुए था। क्योंकि वह जानता था कि जीवन की सर्वोत्तम चीजें उसे मिली थीं और उसे उन सब पर दया आई जिन्हें वे नहीं मिली थीं।

– अनुवाद : विजय शर्मा

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

भारत की बात सुनाता हूँ..!

देश के स्वतंत्रता दिवस की वर्षगाँठ सन्निकट है। अन्यान्य कारणों से पिछले कुछ समय से देश के नाम 'भारत' और 'इंडिया' को लेकर चर्चा हो रही है। इन कारणों की चर्चा इस स्तम्भ का विषय नहीं है। तथापि हम अपने राष्ट्र के नामकरण के संदर्भों पर इस लघु आलेख के माध्यम से पुनः प्रकाश डालना चाहते हैं।

विष्णुपुराण के दूसरे स्कंध का तीसरा श्लोक कहता है,

उत्तरं यत समुद्रस्य हिमद्रेश्चैव दक्षिणं
वर्ष तात भारतं नाम भारती यत्र संतति।

अर्थात उत्तर में हिमालय और दक्षिण में सागर से आबद्ध भूभाग का नाम भारत है। इसकी संतति या निवासी 'भारती' (कालांतर में 'भारतीय') कहलाते हैं। माना जाता है कि महाराज भरत ने इस भूभाग का नामकरण 'भारत' किया था। हम सिंधु घाटी सभ्यता के निवासी हैं। बाद में तुर्कों का इस भूभाग में प्रवेश हुआ। तुर्क 'स' को 'ह' बोलते थे। फलत: यहाँ के निवासी हिंदू कहलाए। फिर अंग्रेज आया। स्वाभाविक था कि उस समय इस भूभाग के लिए चलन में रहे 'हिंदुस्तान' शब्द का उच्चारण उनके लिए कठिन था। सिंधु घाटी सभ्यता के लिए 'इंडस वैली सिविलाइजेशन' का प्रयोग किया जाता था। इस नाम के चलते अंग्रेजों ने देश का नामकरण इंडिया कर दिया।

शेक्सपियर ने कहा था, 'नाम में क्या रखा है?' अनेक संदर्भों में यह सत्य भी है। तब भी राष्ट्र का संदर्भ भिन्न है। राष्ट्र का नाम नागरिकों के लिए चैतन्य और स्फुरण का प्रतीक होता है। राष्ट्र का नाम अतीत, वर्तमान और भविष्य को अनुप्राणित करता है। भारत हमारे लिए चैतन्य, स्फुरण एवं प्रेरणा है।

'भा' और 'रत' के योग से बना है 'भारत।' इसका अर्थ है, जो निरंतर प्रकाश में रत हो। 'भारत' नाम हमें अपनी जड़ों से जोड़ता है, अपने अस्तित्व का भान कराता है, अपने कर्तव्य का बोध जगाता है। गोस्वामी जी ने रामचरितमानस के बालकांड में भरत के नामकरण के प्रसंग में लिखा है,

बिस्व भरन पोषन कर जोई। ताकर नाम भरत अस होई।।

जो संसार का भरण-पोषण करता है, वही भरत कहलाता है। इसे भारत के संदर्भ में भी ग्रहण किया जा सकता है। शत्रु को भी अपनी संतान की तरह देखनेवाली इस धरती पर मनुष्य जन्म पाना तो अहोभाग्य ही है।

दुर्लभं भारते जन्म मानुष्यं तत्र दुर्लभम।

अर्थात भारत में जन्म लेना दुर्लभ है। उसमें भी मनुष्य योनि पाना तो दुर्लभतम ही है। भारतीय कहलाने का हमारा जन्मजात अधिकार और सौभाग्य है। भारतरत्न अटलबिहारी वाजपेयी जी के भाषण का प्रसिद्ध अंश है- भारत ज़मीन का टुकड़ा नहीं, जीता जागता राष्ट्रपुरुष है। हिमालय मस्तक है, कश्मीर किरीट है, पंजाब और बंगाल दो विशाल कंधे हैं। पूर्वी और पश्चिमी घाट दो विशाल जंघाएँ हैं। कन्याकुमारी इसके चरण हैं, सागर इसके पग पखारता है। यह वन्दन की भूमि है, अभिनन्दन की भूमि है, यह तर्पण की भूमि है, यह अर्पण की भूमि है। इसका कंकड़-कंकड़ शंकर है, इसका बिन्दु-बिन्दु गंगाजल है। हम जिएँगे तो इसके लिए, मरेंगे तो इसके लिए।

भारत के एक नागरिक द्वारा सभी साथी नागरिकों को स्वाधीनता दिवस की वर्षगाँठ की अग्रिम बधाई एवं शुभकामनाएँ।

विशेष

मन की महानता का प्रतीक है अंगदान

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 8949519406

आज विश्व अंगदान दिवस है। यह दिवस प्रतिवर्ष 13 अगस्त को मनाया जाता है। अंगदान को महादान कहा जाता है. अंगदान करके आप किसी की जिंदगी बचा सकते हैं। अंग प्रत्यारोपण का अभिप्राय सर्जरी के माध्यम से एक व्यक्ति के स्वस्थ अंग को निकालने और उसे किसी ऐसे व्यक्ति में प्रत्यारोपित करने से है जिसका अंग किन्हीं कारणों से विफल हो गया है। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य सामान्य मनुष्य को मृत्यु के बाद अंगदान करने की प्रतिज्ञा दिलाने के लिए प्रोत्साहित करना हैं। एक सर्वेक्षण के अनुसार, प्रत्येक वर्ष लगभग पांच लाख व्यक्तियों की मृत्यु अंगों की अनुपलब्धता के कारण हो जाती है, जिनमें से दो लाख व्यक्ति लीवर की बीमारी और पचास हजार व्यक्ति हृदय की बीमारी के कारण मृत्यु को प्राप्त हो जाते हैं। इसके अलावा, लगभग एक लाख पचास हजार व्यक्ति गुर्दा प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा करते हैं, जिनमें से केवल पांच हजार व्यक्तियों को ही गुर्दा प्रत्यारोपण का लाभ प्राप्त होता है। अंगदाता दूसरे व्यक्तियों के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करता हैं, जिस रोगी को अंग प्रत्यारोपण की तत्काल जरूरत होती है, उस रोगी में अंगदाता के अंग को प्रत्यारोपित किया जाता हैं।

भारत में ही हर साल लाखों लोगों की शरीर के अंग खराब होने के कारण मृत्यु हो जाती है। शरीर के ऐसे कई सारे अंग हैं, जिन्हें मृत्यु के बाद दान किया जा सकता है। दान किए गए अंग दुनिया भर में हजारों लोगों के जीवन बदल सकते हैं। जागरूकता की कमी के कारण, लोगों के मन में अंगदान के बारे में भय और मिथक हैं। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य सामान्य मनुष्य को मृत्यु के बाद अंगदान करने के लिए प्रोत्साहित करना है। किसी भी अंग को डोनर के शरीर से निकालने के बाद 6 से 12 घंटे के अंदर को ट्रांसप्लांट कर देना चाहिए। कोई भी अंग जितना जल्दी प्रत्यारोपित होगा, उस अंग के काम करने की संभावना उतनी ही ज्यादा होती है। लीवर निकालने के 6 घंटे के अंदर और किडनी 12 घंटे के भीतर ट्रांसप्लांट हो जाना चाहिए। वहीं आंखें 3 दिन के अंदर प्रत्यारोपण हो जाना चाहिए।

अंगदान मन की महानता का प्रतीक है, जो न केवल आपको बल्कि दूसरे को भी खुशी देता है। कहते हैं जो दूसरों के लिए जीते हैं, वही असल में जीते हैं, बाकी लोग जीते हुए भी मृतक के समान हैं। भारत में अंगदान की अपार सम्भावनाएँ हैं, बावजूद इसके अंगदान बहुत ही कम होता है। दरअसल इसकी वजह भारत में अंगदान से संबंधित कई चुनौतियों का होना है सबसे बड़ा कारण समाज में अलग-अलग तरह के भ्रम का प्रचलित होना है, जैसे कुछ लोग समझते हैं कि अंगदान के बाद उन्हें मोक्ष नहीं प्राप्त होगा। लालच में डॉक्टर जानबूझ कर रोगी व्यक्ति को मृत घोषित कर सकते है। इसके अलावा शरीर का आकार संस्कार के लिए खराब न हो जाए आदि।

लाइव ट्रांसप्लांट के लिए तो डोनर मिल जाते हैं लेकिन मृत्यु के बाद अंगदान करने वालों की अभी भारी कमी है। किडनी प्रत्यारोपण के केस में ज्यादातर रिश्तेदार ही अंगदान करते हैं इसलिए उसमें ज्यादा समस्या नहीं आती है।

आज भी जागरूकता की कमी के कारण, लोगों के मन में अंगदान के बारे में भय और मिथक हैं। हार्ट ट्रांसप्लांट के लिए लगभग 50 हजार और फेफड़ों के ट्रांसप्लांट के लिए 20 हजार लोगों की प्रतीक्षा सूची सरकार के पास उपलब्ध रहती है, लेकिन अंगदाताओं की कमी के कारण इनमें से बहुत से लोगों को बचा पाना संभव नहीं पाता है।

प्रसंग

सजा का मापदंड

बहुत समय पहले हरिशंकर नाम का एक राजा था। उसके तीन पुत्र थे और अपने उन तीनों पुत्रों में से वह किसी एक पुत्र को राजगद्दी सौंपना चाहता था। पर किसे? राजा ने एक तरकीब निकाली और उसने तीनो पुत्रों को बुलाकर कहा अगर तुम्हारे सामने कोई अपराधी खड़ा हो तो तुम उसे क्या सजा दोगे? पहले राजकुमार ने कहा कि अपराधी को मौत की सजा दी जाए तो दूसरे ने कहा कि अपराधी को काल कोठरी में बंद कर दिया जाये। अब तीसरे राजकुमार की बारी थी। उसने कहा कि पिताजी सबसे पहले यह देख लिया जाये कि उसने गलती की भी है या नहीं।

इसके बाद उस राजकुमार ने एक कहानी सुनाई किसी राज्य में राजा हुआ करता था, उसके पास एक सुन्दर सा तोता था। वह तोता बड़ा बुद्धिमान था, उसकी मीठी वाणी और बुद्धिमत्ता की वजह से राजा उससे बहुत खुश रहता था। एक दिन की बात है कि तोते ने राजा से कहा कि मैं अपने माता-पिता के पास जाना चाहता हूँ। वह जाने के लिए राजा से विनती करने लगा। तब राजा ने उससे कहा कि ठीक है पर तुम्हें पांच दिनों में वापस आना होगा। वह तोता जंगल की ओर उड़ चला, अपने माता-पिता से जंगल में मिला और खूब खुश हुआ। ठीक पांच दिनों बाद जब वह वापस राजा के पास जा रहा था तब उसने एक सुन्दर सा उपहार राजा के लिए ले जाने का सोचा।

वह राजा के लिए अमृत फल ले जाना चाहता था। जब वह अमृत फल के लिए पर्वत पर पहुंचा तब तक रात हो चुकी थी। उसने फल को तोड़ा और रात वहीं गुजारने का सोचा। वह सो रहा था कि तभी एक सांप आया और उस फल को खाना शुरू कर दिया। सांप के जहर से वह फल भी विषाक्त हो चुका था। जब सुबह हुई तब तोता उड़कर राजा के पास पहुँच गया और कहा राजन मैं आपके लिए अमृत फल लेकर आया हूँ। इस फल को खाने के बाद आप हमेशा के लिए जवान और अमर हो जायेंगे। तभी मंत्री ने कहा कि महाराज पहले देख लीजिए कि फल सही भी है कि नहीं ? राजा ने बात मान ली और फल में से एक टुकड़ा कुत्ते को खिलाया। कुत्ता तड़प-तड़प कर मर गया। राजा बहुत क्रोधित हुआ और अपनी तलवार से तोते का सिर धड़ से अलग कर दिया। राजा ने वह फल बाहर फेंक दिया। कुछ समय बाद उसी जगह पर एक पेड़ उगा। राजा ने सख्त हिदायत दी कि कोई भी इस पेड़ का फल ना खाएं क्यूंकि राजा को लगता था कि यह अमृत फल विषाक्त होते हैं और तोते ने यही फल खिलाकर उसे मारने की कोशिश की थी।

बोध कथा

ऊंट की गर्दन

बादशाह अकबर यमुना नदी के किनारे सैर का आनंद उठा रहे थे कि उन्हें वहां एक ऊंट घूमता हुआ दिखाई दिया। ऊंट की गर्दन देख राजा ने बीरबल से पूछा, बीरबल, क्या तुम जानते हो कि ऊंट की गर्दन मुड़ी हुई क्यों होती है?

बीरबल की सूझबूझ और हाजिर जवाबी से बादशाह अकबर बहुत रहते थे। बीरबल किसी भी समस्या का हल चुटकियों में निकाल देते थे। एक दिन बीरबल की चतुराई से खुश होकर बादशाह अकबर ने उन्हें इनाम देने की घोषणा कर दी। काफी समय बीत गया और बादशाह इस घोषणा के बारे में भूल गए। उधर बीरबल इनाम के इंतजार में कब से बैठे थे। बीरबल इस उलझन में थे कि वो बादशाह अकबर को इनाम की बात कैसे याद दिलाएं।

एक शाम बादशाह अकबर यमुना नदी के किनारे सैर का आनंद उठा रहे थे कि उन्हें वहां एक ऊंट घूमता हुआ दिखाई दिया। ऊंट की गर्दन देख राजा ने बीरबल से पूछा, बीरबल, क्या तुम जानते हो कि ऊंट की गर्दन मुड़ी हुई क्यों होती है? बादशाह अकबर का सवाल सुनते ही बीरबल को उन्हें इनाम की बात याद दिलाने का मौका मिल गया। बीरबल से झट से उत्तर दिया, महाराज, दरअसल यह ऊंट किसी से किया हुआ अपना वादा भूल गया था, तब से इसकी गर्दन ऐसी ही है। बीरबल ने आगे कहा, लोगों का यह मानना है कि जो भी व्यक्ति अपना किया हुआ वादा भूल जाता है, उसकी गर्दन इसी तरह मुड़ जाती है।

बीरबल की बात सुनकर बादशाह हैरान हो गए और उन्हें बीरबल से किया हुआ अपना वादा याद आ गया। उन्होंने बीरबल से जल्दी महल चलने को कहा। महल पहुंचते ही बादशाह अकबर ने बीरबल को इनाम दिया और उससे पूछा, मेरी गर्दन ऊंट की तरह तो नहीं हो जाएगी न? बीरबल ने मुस्कुराकर जवाब दिया, नहीं महाराज। यह सुनकर बादशाह और बीरबल दोनों ठहाके लगाकर हंस दिए। इस तरह बीरबल ने बादशाह अकबर को नाराज किए बगैर उन्हें अपना किया हुआ वादा याद दिलाया और अपना इनाम लिया।

वीर गाथा

कैप्टन दिलीप कुमार झाः खेल का मैदान हो या सरहद पर मुठभेड़, वे हमेशा रहे 'कैप्टन'

कैप्टन दिलीप कुमार झा का जन्म 20 जनवरी, 1977 को बिहार के दरभंगा जिला स्थित हरिपुर गांव में हुआ था। नथूनी झा के बहादुर बेटे दिलीप ने शुरुआती शिक्षा कटिहार से पाई। उसके बाद मसूरी चले गए। वे खेलकूद में बहुत अच्छे थे, इसलिए स्कूल टीम के 'कैप्टन' भी बने। दिलीप के मन में सशस्त्र बलों के प्रति बहुत आकर्षण था। वे चाहते थे कि बड़े होकर सैनिक बनें और देश की सेवा करें। उन्होंने शिक्षा स्कूली पूरी करने के बाद एनडीए की परीक्षा दी और उसमें सफल हो गए। उसके बाद प्रशिक्षण प्राप्त कर साल 1994 में लेफ्टिनेंट बन गए। उन्हें दिसंबर 1999 में सेना आयुध कोर (एओसी) में शामिल कर लिया गया।कैप्टन दिलीप साल 2002 में जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में तैनात 7 जाट बटालियन में सेवारत थे। यूनिट के जवान पाक प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ विभिन्न अभियानों में व्यस्त थे। यूनिट के जिम्मे ऐसा इलाका आता था, जहां घना जंगल था। उसके अलावा विषम मौसमी परिस्थितियां थीं। यहां आतंकवादी भी घुसपैठ करते थे, इसलिए जवानों को कार्रवाई के लिए सदैव तैयार रहना होता था। कैप्टन दिलीप ने यहां बतौर घातक प्लाटून कमांडर आठ बड़े अभियानों में भाग लिया था, जिनमें दो दर्जन से ज्यादा आतंकवादियों का सफाया किया गया था।

दो अक्टूबर की रात को कैप्टन दिलीप कुमार अपने साथी जवानों के साथ गश्त पर थे। अचानक मेंढर सेक्टर के एक नाले में आतंकवादियों का गिरोह घुसपैठ करता दिखाई दिया।

दिलीप ने अपने जवानों को सतर्क कर दिया। आतंकवादी जैसे ही नजदीक आए, दिलीप ने गोली चलाकर एक को ढेर कर दिया। इससे घबराए दो अन्य आतंकवादी घने जंगल में छुप गए। दिलीप अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना आगे बढ़े और आतंकवादियों को ललकारा। उन्होंने दोनों आतंकवादियों को भी मार गिराया। हालांकि इस दौरान भारी गोलीबारी से दिलीप गंभीर रूप से घायल हो गए। वे कुछ समय बाद वीरगति को प्राप्त हो गए। बहादुर सैनिक और उत्कृष्ट अधिकारी कैप्टन दिलीप कुमार झा को 'कीर्ति चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सपनों का प्रदेश बनाना है तो नशा मुक्ति अभियान से जुड़ना होगा : आदित्यनाथ

लखनऊ/भाषा

नशा को नाश का कारण करार देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि इससे जितना दूर रहा जाए, उतना ही बेहतर है। उन्होंने कहा कि अगर उत्तर प्रदेश के नौ करोड़ युवाओं के सपनों को नई उड़ान देनी है, उनके सपनों का प्रदेश बनाना है तो नशा मुक्ति के इस पवित्र अभियान के साथ उन्हें जुड़ना ही होगा। वह अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर 'नशा मुक्त प्रदेश–सशक्त प्रदेश' अभियान की शुरुआत कर रहे थे।

एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने राज्य के सभी युवाओं को नशा मुक्ति के इस सबसे बड़े अभियान से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस 2023 पर 'ग्रीन स्किल फॉर यूथः टूवर्ड्स सस्टेनेबल वर्ल्ड' विषय पर अपनी बात रखते हुए कहा, देश की सबसे बड़ी आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश को नशा मुक्त करन के लिए 'नशा मुक्त प्रदेश–सशक्त प्रदेश' के अभियान के साथ हम सब को जुड़ना होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने एनसीसी, स्काउट गाइड समेत तमाम संस्थाओं से जुड़े युवाओं को नशा मुक्ति की शपथ भी दिलाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूनीसेफ जैसी संस्थाओं ने जब केंद्र और राज्य के साथ समन्वय किया तो आज इंसेफेलाइटिस जैसी बीमारियां खत्म हो गईं। उन्होंने कहा कि जिस जवानी में व्यक्ति को स्वयं, समाज और देश के भविष्य के बारे में चिंतन करते हुए नए सपनों को बुनना है, उस समय यदि वह नशे का आदी हो जाएगा तो जैसे दीमक अंदर ही अंदर व्यक्ति को खोखला बना देता है, वैसे नशा व्यक्ति को अंदर ही अंदर खोखला बना देगा और वह व्यक्ति किसी काम का नहीं रहेगा।

मुख्यमंत्री ने उदाहरण देते हुए कहा कि लोग तंबाकू, खैनी जैसे पान मसाला खाते हैं जिससे उनके दांत खराब हो जाते हैं, जो चीज खाने से दांत जैसी मजबूत चीज नष्ट हो जाती है तो उसका जिह्वा, फेफड़े, आहार नाल, आमाशय पर क्या असर पड़ता होगा,आप सहज अनुमान लगा सकते हैं। उन्होंने कहा कि इसलिए नशे से जितना दूर रह सकते हैं उतना ही उपयोगी होगा और उतना ही जीवन बेहतर बनेगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए प्रदेश का युवा कल्याण विभाग जहां एक तरफ यूनीसेफ के साथ मिलकर व्यापक जनजागरूकता का अभियान चला रहा है तो वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर उत्तर प्रदेश के अंदर अपने युवाओं को इस रचनात्मक कार्यक्रमों से जोड़ने का अभियान चल रहा है।

भारत समुद्री क्रांति के लिए है तैयारः सर्बानंद सोनोवाल

नई दिल्ली/भाषा

केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने भारत के समुद्री क्षेत्र की विशाल क्षमता को खोलने पर जोर देते हुए कहा है कि देश की रणनीतिक स्थिति और टिकाऊ प्रक्रियाओं के लिए प्रतिबद्धता से अद्वितीय अवसर तैयार होते हैं। उन्होंने शुक्रवार शाम यहां विदेशी मिशन प्रमुखों और अधिकारियों की मेजबानी करते हुए कहा कि भारत समुद्री क्रांति के लिए तैयार है। यह कार्यक्रम 17–19 अक्टूबर को दिल्ली में होने वाले 'ग्लोबल मैरीटाइम इंडिया समिट–2023' से पहले आयोजित किया गया था। सोनोवाल ने भारत के समुद्री क्षेत्र में निवेश के अवसरों को खोलने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, भारत समुद्री क्रांति के लिए तैयार है। हमारी रणनीतिक स्थिति, प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रगति और टिकाऊ प्रक्रियाओं के प्रति प्रतिबद्धता अद्वितीय अवसर प्रस्तुत करती है। इस क्षेत्र में भारत के साथ साझेदारी करने वाले देश वैश्विक वृद्धि में योगदान देंगे और एक जिम्मेदार तथा प्रगतिशील समुद्री भविष्य का हिस्सा बनेंगे। केंद्रीय मंत्री ने पर्यावरण–अनुकूल जहाजरानी समाधानों के लिए अपना दृष्टिकोण भी साझा किया। बैठक में लगभग 40 देशों के राजनयिकों और प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इन देशों में मिस्र, सिंगापुर, वियतनाम, आर्मेनिया, अमेरिका, जर्मनी, फिनलैंड, नॉर्वे, नीदरलैंड, कनाडा, रूस और जॉर्जिया शामिल थे।इस अवसर पर केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के सचिव टी के रामचंद्रन ने ग्लोबल मैरीटाइम इंडिया शिखर सम्मेलन के बारे में बताया और स्थाई समुद्री समाधानों के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया।

एक ऐसा स्कूल जहां की शिक्षिका आती है स्कूल ड्रेस में

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के एक सरकारी प्राथमिक स्कूल के बच्चों को ठीक तरह से स्कूल ड्रेस पहनने की सीख देने के लिए एक शिक्षिका ही स्कूल ड्रेस विद्यालय आने लगी। फलस्वरूप विद्यार्थी अपनी साफ सुथरी वर्दी को लेकर जागरूक तो हुए ही, साथ ही वे शिक्षिका के पढ़ाए हुए पाठ को भी तेजी से सीखने लगे हैं। राजधानी रायपुर के गुढ़ियारी इलाके में स्थित शासकीय गोकुलराम वर्मा प्राथमिक शाला में यदि आप शनिवार को पहुंचे तब आपकी मुलाकात विद्यार्थियों के बीच गाढ़ी नीली फ्रॉक और आसमानी शर्ट पहनी तथा दो चोटी लगाई 30 वर्षीय शिक्षिका जान्हवी यदु से होगी। स्कूल ड्रेस पहनी यदु कक्षा में बच्चों को पढ़ाते और उनके साथ खेलते नजर आती हैं तथा बच्चे भी तन्मयता से उनकी बातों पर अमल करते मिलते हैं।

यदु के मुताबिक स्कूल की वर्दी पहनने का यह विचार इसलिए आया क्योंकि वह बच्चों को उचित और साफ–सुथरे तरीके से स्कूल ड्रेस पहनने के लिए प्रेरित करना चाहती थीं। इस स्कूल में आने वाले अधिकतर बच्चे गरीब तबके से हैं।

वह कहती हैं, ज्यादातर विद्यार्थी गरीब तबके से हैं। उनमें से कई बगैर भोजन के ही स्कूल आते हैं, ऐसे में उनके स्कूल ड्रेस के प्रति जागरूकता को समझा जा सकता है। मुझे लगा कि यदि उन्हें स्कूल ड्रेस पहनकर दिखाया जाए कि तब वे इससे बेहतर तरीके से समझेंगे। तब मैंने शनिवार को स्कूल ड्रेस पहनना शुरू कर दिया। पहली बार एक शिक्षिका का स्कूल ड्रेस पहनकर स्कूल आना और बच्चों की प्रतिक्रिया को लेकर यदु कहती हैं, मैं इसे भूल नहीं सकती। जब उन्होंने मुझे पहली बार स्कूल ड्रेस में देखा तो वे खुश भी हुए और हैरान भी। कुछ ने मुझे गले भी लगाया। फिर मैंने उनसे पूछा कि क्या वे अच्छे से स्कूल ड्रेस पहनकर स्कूल आएंगे तब उन्होंने 'हां' कहा। वह कहती हैं कि उनके स्कूल ड्रेस पहनकर स्कूल आने से बच्चों के व्यवहार में उल्लेखनीय बदलाव आया है।

यदु कहती हैं, छात्र पहले मुझे अपने अभिभावक या मां के रूप में देखते थे। लेकिन अब वे मुझे अपना दोस्त मानते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के परिवार से आने के कारण वह विद्यार्थियों के प्रति अपनी जिम्मेदारी को बेहतर तरीके से महसूस करती हैं तथा इस निर्णय का सभी ने स्वागत भी किया।

यदु ने बताया, शुरुआत में मुझे डर था कि मेरा परिवार स्कूल में स्कूल ड्रेस पहनने के मेरे फैसले को अस्वीकार कर देगा। लेकिन उन्होंने बहुत सकारात्मक तरीके से मेरा समर्थन किया। स्कूल में शिक्षकों ने भी मेरा सहयोग किया।

घर पर किसी को परवाह नहीं कि मैं कौन हूं : बादशाह

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय हिप–हॉप आइकन और रैपर बादशाह का कहना है कि वह वास्तविक जीवन में काफी 'साधारण' व्यक्ति हैं और घर पर लोग वास्तविकता की जांच करते रहते हैं क्योंकि किसी को इसकी परवाह नहीं है कि वह कौन हैं। बादशाह ने आईएएनएस को बताया, वास्तव में मैं बिल्कुल विपरीत हूं और काफी सरल व्यक्ति हूं। मैं भौतिकवाद या संपत्ति के बारे में चिंतित नहीं हूं। वास्तव में घर पर हर कोई वास्तविकता की जांच करता रहता है। किसी को इसकी परवाह नहीं है कि मैं कौन हूं। यह मुझे जमीन से जोड़े रखता है! हिप–हॉप के विकास में एक मल्टीहाइफ़नेट के रूप में उन्होंने जो भूमिका निभाई है, उसे वह कैसे समझते हैं, इस पर बादशाह ने कहा, हिप हॉप एक संस्कृति है जो आर्ट फॉर्म से काफी आगे तक फैली हुई है। आपको एक ऐसी नींव बनाने की ज़रूरत है जो समुदाय को बढ़ने दे। उन्होंने कहा, जब आप जे–जेड, डिडी, बेयॉन्से, रिहाना और 50 सेंट जैसे आइकन को देखते हैं, तो वे लोग प्रतिभाशाली हैं। उन्होंने कुछ नहीं से कुछ बनाया।

जब मैं बच्चा था तब से ही व्यवसाय का चलन मुझमें है। स्कूल में मैं कॉमिक किताबें बेचता था और कॉलेज के दिनों में मैं जमीन बेच रहा था। हिप–हॉप शैली में भी बादशाह के अपने आदर्श हैं। उन्होंने कहा, जे जेड, एमिनेम, ड्रेक, कायने वेस्ट। बादशाह, जो 'जुगनू', 'अभी तो पार्टी शुरू हुई है', 'डीजे वाले बाबू' और कई अन्य गानों के लिए जाने जाते हैं, ने अपना नया सिंगल 'गॉन गर्ल' रिलीज कर दिया है। गाने के साथ, रैपर अपने सर्वोत्कृष्ट पुराने स्कूल के व्यावसायिक साउंडस्केप के सार को फिर से प्रदर्शित करते हैं।'गॉन गर्ल' एक जीवंत धुन, धमाकेदार बीट्स, पॉप–फॉरवर्ड वोकल्स और एक संक्रामक ऊर्जा से भरपूर है।गाने का संगीत वीडियो मनीष शंटी द्वारा निर्देशित किया गया है, और इसमें उभर रही दक्षिण भारतीय अभिनेत्री साक्षी वैद्य हैं, जिनकी आकर्षक ऑन–स्क्रीन उपस्थिति स्क्रीन पर जोश भर देती है।

एक बार फिर से हंसाने आ रही है 'खिचड़ी-2'

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय टेलीविजन शो 'खिचड़ी' आज भी लोगों के दिलों पर राज कर रहा है। इस को देखते हुए फिल्म मेकर्स ने 2010 में फिल्म 'खिचड़ी' बनाई थी। जिसे दर्शकों का खूब प्यार मिला था। फिल्म मेकर्स एक बार फिर से वापसी कर रहे हैं। फिल्म 'खिचड़ी' की अगली कड़ी 'खिचड़ी 2– मिशन पंथुकिस्तान' इस दिवाली पर सिनेमाघरों में आएगी। फिल्म का लेखन और निर्देशन आतिश कपाड़िया ने किया है। सीक्वल दर्शकों को एक साहसिक रोलर–कोस्टर सवारी पर ले जाने का वादा करता है, जो पारेख परिवार के नए आयामों को उजागर करता है। फिल्म में सुप्रिया पाठक कपूर, राजीव मेहता, अनंग देसाई, वंदना पाठक, कीर्ति कुल्हारी और अभिनेता–निर्माता जमनादास मजेठिया (जेडी) हैं। यह फिल्म दिवाली की पृष्ठभूमि पर आधारित है

'खिचड़ी' पारेख नामक एक गुजराती परिवार की कहानी है, जो एक पुरानी हवेली में रहते हैं। संयुक्त परिवार को कई स्थितियों का सामना करना पड़ता है, लेकिन वे इस सबसे अपने तरीके से हल करने का प्रयास करते हैं। इसके पात्र अपनी पैतृक संपत्ति बेचकर बाहर जाना चाहते हैं और अपना एकल परिवार बनाना चाहते हैं। लेकिन उनके परिवार का मुखिया इससे सहमत नहीं है।

वह उन्हें बाहर जाने और अपने दम पर जीवित रहने का विकल्प देता है, लेकिन कोई भी उनके पैसों को छोड़कर जाने के लिए तैयार नहीं है। हैटसऑफ प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित, 'खिचड़ी 2 – मिशन पंथुकिस्तान' दिवाली पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म 'मंडप' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी सिनेमा के जुबली स्टार दिनेश लाल यादव निरहुआ और अभिनेत्री आम्रपाली दुबे स्टारर भोजपुरी फिल्म मंडप का ट्रेलर रिलीजहो गया है। एस आर के म्यूजिक प्रा. लि. के बैनर से निर्मित फिल्म मंडप का ट्रेलर एस आर के म्यूजिक के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल से रिलीज किया गया है। इस फिल्म के निर्माता रौशन सिंह हैं। जबकि सह निर्माता शर्मिला आर सिंह हैं। इस फिल्म के निर्देशक आनंद सिंह हैं। फिल्म मंडप के ट्रेलर की शुरुआत अभिनेता संजय पांडे और सुशील सिंह के उस संवाद से होती है जिसमें अपने बेटे की शादी के लिए दहेज की बात कर रहे होते हैं। सामाजिक और पारिवारिक मानदंडों के इर्द–गिर्द बनी इस फिल्म में निरहुआ और आम्रपाली की शादी हो जाती है लेकिन दहेज की मार यहां आम्रपाली को झेलनी पड़ती है। वर पक्ष यानी निरहुआ के परिवार वालों द्वारा दहेज की डिमांड पर अपने पिता की संपत्ति को गिरवी देख अम्रपाली दुबे में राइफल लेकर निरहुआ के ऊपर तान देती है और निरहुआ को होस्टेज बना लेती है। फिल्म मंडप में निरहुआ, आम्रपाली दुबे, सुशील सिंह, संजय पांडे, समर्थ चतुर्वेदी, श्रद्धा नवल, संतोष श्रीवास्तव, सुजान सिंह, विद्या सिंह, जोया खान, सोनू पांडे, बब्लू खान, ऋतु चौहान, पल्लवी कोली, स्वीटी सिंह, शोना पांडे, सौम्या पांडे, महिमा सिंह, सनी शर्मा मुख्य भूमिका में हैं। लेखक मनोज पांडे हैं। संगीतकार ओम झा और गीतकार प्यारे लाल यादव, अरबिंद तिवारी, उमा लाल यादव हैं।

गणपथ : पार्ट 1 में नजर आएगी टाइगर श्रॉफ और कृति सेनन की जोड़ी

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ और अभिनेत्री कृति सेनन की सुपरहिट जोड़ी गणपथ: पार्ट 1 में नजर आयेगी। टाइगर–कृति की फिल्म 'गणपथ पार्ट 1' पिछले कुछ समय से सुर्खियों में है।

टाइगर श्रॉफ और कृति सैनन ने वर्ष 2014 में प्रदर्शित फिल्म 'हीरोपंती' के साथ एक साथ डेब्यू किया था।अब यह जोड़ी 'गणपथ: पार्ट 1' में वापस आ रही है। टाइगर ने अपने और कृति की एक वीडियो अपने इंस्टा स्टोरीज पर पोस्ट किया। कैप्शन में टाइगर श्राफ ने लिखा, ऑल्मोस्ट टाइम पार्टनर ।जवाब में कृति सैनन ने इस वीडियो को अपने सोशल मीडिया पर री–पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखाटाइम फ्लाइज!!

ऑल ग्रोन अप अस! पूजा एंटरटेनमेंट प्रस्तुत 'गुड कंपनी के सहयोग से निर्मित गणपथ पार्ट 1', विकास बहल द्वारा निर्देशित हैं। फिल्म का निर्माण वाशु भगनानी, जैकी भगनानी, दीपशिखा देशमुख और विकास बहल ने किया हैं। यह फिल्म 20 अक्टूबर 2023 को रिलीज होगी।

फिल्म 'जेलर' ने दो दिनों में 100 करोड़ का आंकड़ा पार किया

नई दिल्ली/एजेन्सी

सुपरस्टार रजनीकांत की 'जेलर' बॉक्स ऑफिस पर कमाल कर रही है। शुरुआती अनुमानों से पता चला था कि फिल्म 25 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई करेगी। फिल्म ने केवल दो दिनों में 100 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई करके उस आंकड़े को पार कर लिया है। लाइफटाइम कमाई 500 करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है। ट्रेड एनालिस्ट रमेश बाला ने आईएएनएस को बताया कि 100 करोड़ रुपये की ओपनिंग पूरी तरह से हैरान करने वाली नहीं थी, क्योंकि 'जेलर' के पांच दक्षिणी राज्यों खासकर तमिलनाडु, केरल और तेलुगु भाषी राज्यों में धमाका करने की उम्मीद थी। कर्नाटक ने भी अच्छा योगदान दिया है। लेकिन, इसमें मुख्य रूप से तमिल, मलयालम और तेलुगु राज्य हैं। फिल्म के अपेक्षित वीकेंड कलेक्शन के बारे में बात करते हुए रमेश बाला ने कहा कि देखिए, मुझे उम्मीद है कि रविवार रात के अंत तक, सोमवार तक यह कलेक्शन 275 करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगा।

रमेश बाला से पूछा गया कि क्या तमिल फिल्म इस शानदार रफ्तार को बरकरार रखेगी। इस पर उन्होंने कहा कि हां, सोमवार और मंगलवार होगा, विशेषकर मंगलवार क्योंकि इस दिन स्वतंत्रता दिवस है। मुझे उम्मीद है कि यह रफ्तार बुधवार को थोड़ा धीमी हो जाएगी, लेकिन गुरुवार और शुक्रवार को यह फिर से अपनी रफ्तार पकड़ लेगी और काफी समय तक यही बनी रहेगी। फिल्म की बड़ी सफलता के पीछे के कारणों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''जेलर का दक्षिण में एक बड़ा बाजार है, और यहां तक कि संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, यूरोप, ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात, खाड़ी राज्यों, मलेशिया, इंडोनेशिया जैसे देशों में भी एक बड़ा अंतरराष्ट्रीय बाजार भी है। कुछ अन्य बड़े बाज़ारों में हांगकांग, चीन और कुछ अन्य दक्षिणपूर्वी देश भी शामिल हैं।हालांकि, सुपरस्टार के लिए एक और बड़ा अंतरराष्ट्रीय बाज़ार जापान है। उन्होंने कहा कि यह सच है, रजनीकांत जापान में एक बड़ा चेहरा हैं, लेकिन फिल्म अभी तक वहां रिलीज नहीं हुई है। फिल्म की रिलीज़ में देरी हो रही है, और उनकी स्क्रीनिंग भी सीमित होगी, लेकिन यह वहां काफी अच्छा प्रदर्शन करेगी।फिल्म के लाइफटाइम कलेक्शन पर उन्होंने कहा, फिलहाल आंकड़ों के आधार पर मैं लाइफटाइम कलेक्शन 500 करोड़ रुपये के आसपास होने की उम्मीद कर रहा हूं, यह इससे भी आगे जा सकता है, लेकिन कितना होगा, यह मैं अभी नहीं कह सकता।जब उनसे पूछा गया कि क्या यह फिल्म 'पठान' या 'आरआरआर' जैसी फिल्मों जितनी बड़ी हिट होगी और 1000 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल होगी, तो उन्होंने कहा, ''मुझे संदेह है। आप देखिए इन फिल्मों का आकर्षण दुनियाभर में था, जबकि 'जेलर' ज्यादातर चुनिंदा अंतरराष्ट्रीय बाजारों के साथ दक्षिणी दर्शकों की फिल्म है।रमेश बाला से पूछा गया कि क्या 'गदर 2' 'पोन्नियिन सेलवन 2' को पछाड़ देगी और 2023 की सबसे बड़ी कमाई करने वाली तमिल फिल्म बन जाएगी। इस पर उन्होंने कहा कि मेरे अनुमान के अनुसार मैं हां कहूंगा। 'पीएस 2' ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया, उतना नहीं जितना कि उम्मीद थी, लेकिन फिर भी बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। लेकिन, जब इसे रजनीकांत के चेहरे और दक्षिण में उनकी प्रसिद्धि के साथ जोड़ा गया, तो 'जेलर' साल की सबसे बड़ी तमिल फिल्म बन गई। अभी चीजें थोड़ी अनिश्चित हैं क्योंकि बाजार में उतार–चढ़ाव होता रहता है, लेकिन संभावनाएं स्पष्ट रूप से मौजूद हैं।

लैंगिक भेदभाव के कारण महिलाओं को 200 प्रतिशत ज्यादा मेहनत करनी पड़ती हैः स्वास्तिका मुखर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाताता। अदालती कार्यवाही की पृष्ठभूमि पर आधारित हिंदी फिल्म 'सेक्शन 84' में अमिताभ बच्चन के साथ अभिनय करने वाली अभिनेत्री स्वास्तिका मुखर्जी का मानना है कि एक महिला को अपनी सामाजिक स्थिति की परवाह किए बिना किसी भी कार्यस्थल पर खुद को साबित करने के लिए 200 प्रतिशत अधिक मेहनत करनी पड़ती है। अपने दो दशक लंबे करियर में पहली बार बांग्ला वेब सीरीज 'निखोज' में एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रहीं, स्वास्तिका ने कहा कि लैंगिक रूढ़िवादिता इस धारणा के साथ मौजूद रही कि शादी और बच्चों के बाद महिलाएं पहले की तरह काम करने में सक्षम नहीं हो सकती हैं। अभिनेत्री ने 'पीटीआई–भाषा' से कहा, ''एक अजीब लैंगिक पूर्वाग्रह मौजूद है। यह माना जाता है कि एक महिला पहले की तरह काम को करने में असमर्थ होगी, क्योंकि उन्हें अपने 'घर संसार' और 'छेले पुले' (बच्चों के लिए बंगाली में उपयुक्त शब्द) की देखभाल करनी होती है। निखोज ने इस मुद्दे को रेखांकित किया है।'' अभिनेत्री (42) वर्तमान में मुंबई और कोलकाता में एक के बाद एक फिल्मों पर काम कर रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह हर महीने एक फिल्म रिलीज होने में विश्वास नहीं करती हैं। उन्होंने 'कला' में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था, जो दिसंबर 2022 में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी और हाल में 70 के दशक में हावड़ा में एक महिला गैंगस्टर के वास्तविक जीवन से प्रेरित एक बंगाली फिल्म 'शिबपुर' में अभिनय किया। महिला–केंद्रित 'शिबपुर' और 'निखोज' में केंद्रीय पात्र अपने परिवार और अपने समुदाय की रक्षा के लिए लड़ाई लड़ते हुए दिखाई देता है।

'शिबपुर' में स्वास्तिका ने जिस महिला डॉन मंदिरा बिस्वास का किरदार निभाया है, वह अपने ससुराल वालों और बच्चों की सुरक्षा करती है। 'निखोज' में वह कोलकाता पुलिस उपायुक्त की भूमिका में हैं, जो अपनी लापता बेटी को ढूंढने की कोशिश कर रही है, यह मामला आधिकारिक तौर पर उसे सौंपा गया है। अपने द्वारा निभाए गए दो बिल्कुल विपरीत किरदारों के बारे में उन्होंने कहा, ''जहां तक उनके संबंधित कार्यस्थलों में उनकी लड़ाई का सवाल है, इन दोनों किरदारों में काफी समानताएं हैं... कार्यस्थलों पर आमतौर पर पुरुषों का वर्चस्व होता है।'' स्वास्तिका ने कहा कि 'निखोज' में उन्हें एक मां और एक मेहनती पुलिसकर्मी के व्यक्तित्व के बीच संतुलन बनाने के लिए काफी प्रयास करना पड़ा। उन्होंने कहा, ''मुझे यह देखना था कि एक पहचान दूसरी पर हावी न हो जाए... मैं एक कामकाजी एकल मां का किरदार निभा रही थी और मुझे याद है कि मैं हर शूटिंग के बाद निर्देशक अयान चक्रवर्ती से पूछती थी कि क्या मैं सही संतुलन बना पा रही हूं।''

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

दुर्गुण रूपी शत्रु हर समय मनुष्य के पीछे लगे रहते हैं, वे किसी समय उसे चैन नहीं लेने देते। कहावत है कि अपनी अकल और दूसरों की संपत्ति, चतुर को चौगुनी और मूरख को सौगुनी दिखाई पड़ती रहती है। संसार में व्याप्त इस भ्रम को महामाया का मोहक जाल ही कहना चाहिए कि हर व्यक्ति अपने को पूर्ण निर्दोष और पूर्ण बुद्धिमान मानता है। न तो उसे अपनी त्रुटियां सूझ पड़ती हैं और न अपनी समझ में दोष दिखलाई पड़ता है। इस एक ही दुर्बलता ने मानव जाति की प्रगति में इतनी बाधा पहुंचाई है, जितनी संसार की समस्त अड़चनों ने मिलकर भी न पहुंचाई होगी।

जयगोपाल गरोड़िया विद्यालय में स्वर्ण जयंती उत्सव 'सृजन ई-कॉम-फ़िएस्टा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के अन्नानगर में जयगोपाल गरोडिया विवेकानन्द विद्यालय अपना स्वर्ण जयंती वर्ष मना रहा है। 50 वें वर्ष के स्वर्ण जयंती समारोह के हिस्से के रूप में, एक इंटर स्कूल ई-कॉम प्रतियोगिता, सृजन का आयोजन किया। जिसमें एडी-वॉर्स, स्मार्ट स्टार्ट, ई कॉम प्रेजेंटेशन, गेस द इकोनॉमिस्ट, डिबेट जैसी कई प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। कुल 23 स्कूलों के लगभग 283 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी में कॉलेज ऑफ साइंस एंड ह्यूमैनिटीज के डीन मेजर डॉ. एम. वेंकटरमणन ने किया। समापन समारोह की मुख्य अतिथि कॉर्पोरेट क्षेत्र की प्रबंध निदेशक सेल्वलक्ष्मी अलगप्पन थीं। प्रतियोगिताओं के निर्णायक में एथिराज कॉलेज फॉर वुमेन की वाणिज्य विभाग की प्रमुख डॉ. आर. गीतालक्ष्मी, अन्ना आदर्श कॉलेज फॉर वुमेन डीआर डॉ. बी. सुधा, वल्लियाम्मल महिला कॉलेज की सहायक प्रोफेसर वाणिज्य एस अनिता, एवं डॉ. एन गीता, क्वींस मैरी कॉलेज फॉर वुमेन कॉलेज की सहायक प्रोफेसर डॉ. ईश्वरी रमेश आदि उपस्थित थे।

प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान एवं सांत्वना पुरस्कार विजेताओं को प्रमाण पत्र, ट्रॉफी और नकद पुरस्कार दिया गया। वरिष्ठ प्रधानाचार्य जी.विजय कुमार ने सभा का स्वागत किया और मुख्य अतिथि का परिचय दिया। संस्थान के प्रबंध न्यासी अशोक केडिया इस अवसर पर उपस्थित थे। प्रिंसिपल एम.उमा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

खेतेश्वर भवन में चल रही भागवत कथा में श्रद्धालु हुए भावविभोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। बगसिंह राजपुरोहित ने बताया कि साहुकारपेट क्षेत्र में स्थित खेतेश्वर भवन में चल रहे दंडी स्वामी देवानंदजी सरस्वती महाराज के चातुर्मास निमिते यहां प्रतिदिन चल रही भागवत कथा का श्रद्धालु श्रवण पान भाव विभोर हो रहे हैं। श्री राजपुरोहित ट्रस्ट चेन्नई के तत्वावधान में आयोजित इस कथा में हरिद्वार से आये कथा वाचक भागवत भूषण आचार्य अवधेश मिश्रजी द्वारा सुनाई जा रही है। कथा वाचक भागवत भूषण आचार्य अवधेश मिश्रजी द्वारा कथा का आध्यात्मिक महत्व समझाया जा रहा है। कथा के बीच बीच में जयकारों के साथ संगीतमय भजनों कि प्रस्तुति दी जा रही है। जिस पर श्रद्धालु भक्ति में लीन एवं भाव विभोर होकर नृत्य करते हैं।

सुबह एवं शाम दंडी स्वामी देवानंदजी सरस्वती महाराज द्वारा प्रवचन एवं रात्री में श्रावण मास के कृष्ण झुलोत्सव कार्यक्रम का आयोजन हो रहा है। इसको लेकर प्रतिदिन भगवान कृष्ण कि विशेष रंग बिरंगे सुगन्धित फूलों श्रृंगार कर झांकी सजाई जा रही है तथा अलग अलग भामाशाह द्वारा झुलोत्सव के लाभार्थियों द्वारा अलग अलग प्रकार कि मिष्ठान का भोग लगाया जाता है व श्रद्धालुओं को वितरण कि जा रही है।

दोष दिखाने वाले को अपना शुभचिंतक मानकर उसका आभार मानें : आचार्य देवेंद्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दोष, दुर्गुण, दुष्प्रवृत्तियों, दुर्भावनाओं को त्यागिए संसार में कोई किसी को उतना परेशान नहीं करता, जितना कि मनुष्य के अपने दुर्गुण और दुर्भावनाएं। उपरोक्त बातें आचार्यश्री देवेंद्रसागरसूरिजी ने श्री सुमतिवल्लभ नोर्थटाउन जैन संघ में प्रवचन देते हुए कही। उन्होंने आगे कहा कि दुर्गुण रूपी शत्रु हर समय मनुष्य के पीछे लगे रहते हैं, वे किसी समय उसे चैन नहीं लेने देते। कहावत है कि अपनी अकल और दूसरों की संपत्ति, चतुर को चौगुनी और मूरख को सौगुनी दिखाई पड़ती रहती है। संसार में व्याप्त इस भ्रम को महामाया का मोहक जाल ही कहना चाहिए कि हर व्यक्ति अपने को पूर्ण निर्दोष और पूर्ण बुद्धिमान मानता है। न तो

उसे अपनी त्रुटियां सूझ पड़ती हैं और न अपनी समझ में दोष दिखलाई पड़ता है। इस एक ही दुर्बलता ने मानव जाति की प्रगति में इतनी बाधा पहुंचाई है, जितनी संसार की समस्त अड़चनों ने मिलकर भी न पहुंचाई होगी। सृष्टि के सब प्राणियों से अधिक बुद्धिमान माना जाने वाला मनुष्य जब यह सोचता है कि दोष तो दूसरों में ही हैं, उन्हीं की निंदा करनी है, उन्हें ही सुधारना चाहिए। हम स्वयं तो पूर्ण निर्दोष हैं, हमें सुधरने की कोई जरूरत नहीं। तब यह कहना पड़ता है कि उसकी तथाकथित बुद्धिमत्ता अवास्तविक है। इस दृष्टिकोण के कारण अपनी गलतियों का सुधार कर सकना तो दूर कोई उस ओर इशारा भी करता है, तो हमें अपना अपमान दिखाई पड़ता है। दोष दिखाने वाले को अपना शुभचिंतक मानकर उसका आभार मानने की अपेक्षा मनुष्य जब उलटे उस पर क्रुद्ध होता है, शत्रुता मानता है और अपना अपमान अनुभव करता है, तो यह कहना चाहिए कि उसने सच्ची प्रगति की ओर चलने के लिए अभी एक पैर उठाना भी नहीं सीखा। बाहरी उन्नति की जितनी चिंता की जाती है, उतनी ही भीतरी उन्नति के बारे में भी की जाए, तो मनुष्य दोहरा लाभ उठा सकता है, किंतु यदि आंतरिक उन्नति को गया - बीता रखा और बाहरी उन्नति के लिए ही निरंतर दौड़-धूप होती रहती तो कुछ साधन-सामग्री भले ही इकट्ठा कर ली जाए, पर उसमें भी उसे शांति न मिलेगी।

धर्म जीने की कला सिखाता है : गणिवर्य मनिषप्रभ सागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। खरतरगच्छ के गच्छाधिपति आचार्यश्री जिन मणि प्रभसूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती मुनिश्री स्थविर मुक्तिप्रभसागरजी, गणिवर्य मुनिश्री मनीषप्रभसागरजी, मुनिश्री मतिषप्रभ सागरजी म. सा. कोयम्बटूर जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ के भवन में चातुर्मासार्थ विराजित हैं। अपने दैनिक प्रवचन में गणीवर्य मनीषप्रभसागर जी म सा ने बताया कि धर्म हमें जीवन जीने की कला सिखाता हो कोई भी व्यक्ति सब का भला नहीं कर सकता। व्यक्ति सूरज बनकर सब दुनिया को प्रकाश नहीं दे सकता। लेकिन दीपक बनकर के अपने आसपास का अंधेरा दूर कर सकता है। हम सबका पेट नहीं भर सकते लेकिन कुछ व्यक्तियों का तो पेट भर ही सकते हैं। परमात्मा ने एक संदेश दिया धर्म की परिभाषा बताई 'जीओ और जीने दो'। तुम भी सुख से जियो और दूसरों को भी सुखपूर्वक जीने में सहयोग करो। माना इस संसार में अनेक व्यक्ति दुखी है अनेक व्यक्ति पीड़ित है। अनाथ व्यक्ति बहुत हैं। मैं सबका सहयोग नहीं कर सकता। कोई बात नहीं लेकिन आसपास में रहने वाले अगर दुखी है तो उसका सहयोग कर सकते हैं। साधु, संत लौ नहीं जलाते लेकिन विचारों को शुद्ध जरूर करते हैं। साधु संत हमारे विचारों की शुद्ध करते हैं हमारे आचरण की शुद्धि करते हैं। हमारे व्यवहार को शुद्ध करते हैं क्योंकि परमात्मा ने भीतर में लौ जला रखी है लेकिन प्रकाश बाहर नहीं आ रहा है क्योंकि हमारे विचार हमारी भावना हमारे एक दूसरे के प्रति प्रेम की कमी के कारण कालिमा छाई हुई है।

दिव्यांगों को उनकी जरूरत के अनुसार सामग्री का वितरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आदिनाथ जैन ट्रस्ट के तत्वाधान में चूलै स्थित आदिनाथ जैन सेवा केंद्र में जरूरतमंदों को सहायता सामग्री का वितरण किया गया। इस शिविर के लाभार्थी रानुलाल देवराज मिलापचंद प्रकाशचंद मदनचंद गुलेछा परिवार रहे। आचार्यश्री विज्ञानप्रभसूरीश्वरजी म. सा. की निश्रा में शिविर में अतिथि के रूप में प्रियाकुमार, धर्मेश, धनराज कोचर, प्रकाशचन्द गुलेछा, संघवी आकाश कुमार, सुरेश गुलेछा, गौतम चोपड़ा हैदराबाद, डॉ. विवेक अय्यर, संजय पींचा थे।

आचार्यश्री विज्ञानप्रभसूरी की निश्रा में लगभग 450 दिव्यांगोंको उनकी जरूरत की वस्तुएं बांटी गई। ट्रस्ट के उपाध्यक्ष ने कहा की आदिनाथ जैन ट्रस्ट पिछले 42 सालों से निस्वार्थ भाव से इस तरह के कार्य करता आ रहा हैं। जिसमे करीब सोलह तरह के प्रोजेक्ट हैं जो बिल्कुल ही नि:शुल्कः चलाये जाते हैं।

उपस्थित सभी अतिथियों ने अपने हाथों से जरूरतमंद दिव्यांगों को उपकरण दिए। अतिथियों का ट्रस्ट के ट्रस्टियों ने सम्मान किया।

नि:शुल्क दंत और नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विजय संभव फाउंडेशन और अखिल भारतीय चौरसिया महासभा (एबीसीएम) के संयुक्त तत्वाधान में शनिवार को गुंजूरपाल्या के सरकारी विद्यालय में करीब एक सौ पच्चीस से अधिक बच्चों का निशुल्क दंत और नेत्र परीक्षण हुआ। जिन बच्चों को पावर वाले चश्में की जरूरत है उसे फाउंडेशन द्वारा उपलब्ध कराया जायेगा। दंत चिकित्सक डॉक्टर प्रणय द्विवेदी ने परीक्षण के साथ साथ बच्चों को टूथ पेस्ट फ्री में वितरित किया। इस स्वास्थ्य शिविर के सफल आयोजन में फाउंडेशन के चेयरमैन डा रवि राजहंस, सोनल कीर्ति, जितेंद्र, अखिल भारतीय चौरसिया महासभा के सोमनाथ चौरसिया, धीरज, अनिल, दंत चिकित्सक डॉ. प्रणय द्विवेदी और आलोका विजन और उनके टीम साथ ही विद्यालय के प्रधानाचार्य नारायणम्मा का महत्वपूर्ण योगदान रहा। ज्ञात हो कि फाउंडेशन शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में नियमित अपना उत्कृष्ट योगदान समाज को दे रहा है।

'लोभ से हमारा व्यक्तित्व दीन, हीन, दरिद्र बन जाता है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां के महालक्ष्मी लेआउट स्थित श्री चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री तत्वत्रया श्रीजी म. सा. ने शनिवार के अपने प्रवचन में कहा कि लोभ मनुष्य के जीवन के पराभव का पतन द्वार है। लोभ मनुष्य के जीवन का ऐसा विकार है जो उसके उत्कर्ष में बाधा डालता है। लोभी व्यक्ति आचरण से हीन हो जाता है। वह अपने स्वाभिमान को भुलकर किसी कामना के वशीभूत होकर चाटुकार बन जाता है। उसका व्यक्तित्व नष्य हो जाता है और किसी से कुछ पाने की आशा में अपना सब कुछ गंवा बैठता है। लोभी व्यक्ति का चारित्रिक पतन हो जाता है। लोभ राजनीति का हो, किसी ऊंचे पद का हो, अर्थ प्राप्ति का हो, वासना के वेग का हो या किसी भी प्रकार से किसी से कुछ पाने की लालसा का हो, ठीक नहीं है। लोभ एक क्षणिक प्यास की तरह है, जिसकी पूर्ति के लिए मनुष्य अनैतिक बन जाता है और गलत-काम करने लगता है। वह भूल जाता है कि उसके जीवन की कुछ मर्यादाएं भी हैं। हम अपने जीवन में ऐसा ही अनुभव करते हैं कि थोड़े से सुख, थोड़े से लाभ, एक-आध ऊंची कुर्सी पाने के लिए ऐसे लोगों के पैर छूने लगते हैं जो स्वयं चारित्रिक दृष्टि से गिरे होते हैं। जब हम लोभ करते हैं, तो हमारा पूरा व्यक्तित्व दीन, हीन और दरिद्र बनकर खड़ा हो जाता है जिससे हमारी अपनी जीवनशक्ति शरीर में हो रहे जैविक परिवर्तन से बुरी तरह आहत होने लगती है और हमारे जीवन में जो स्वाभिमान की ऊर्जाशक्ति है वह दासत्व ग्रहण करने लगती है। लोभी व्यक्ति अपनी सारी मर्यादाओं और नैतिक मूल्यों को छोड़कर स्वयं स्वीकार करने लगता है कि हम दूसरी पंक्ति में खड़े लोग हैं, हम दूसरे की जयकार बोलनेवाले हैं और दूसरे की प्रशस्ति के गीत गाने वाले लोग हैं। ऐसे लोग कभी भी समाज को दिशा नहीं दे सकते न ही खुद की उन्नति करने में सफल हो सकते हैं। प्रवचन में काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। यह जानकारी जयंतीलाल श्रीश्रीमाल ने दी।

इच्छाएं अनंत है जो कभी पूरी नहीं हो सकती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम के ए.एम.के.एम. सेन्टर में विराजित साध्वीश्री चैतन्यश्री जी म.सा. ने अपने प्रवचन में बताया कि जीवन जीने का रहस्य संत बताते हैं पैसा, प्रतिष्ठा, सत्ता यह अगर संत से मांगोगे तो आपकी इच्छा संत के पास से पूरी नहीं होगी। क्योंकि पैसा प्रतिष्ठा और सत्ता यह आपका जीवन अधोगति की ओर ले जाने वाला बनेगा। संत हमारे आत्मा को परमात्मा बनाने के लिए होते हैं ना कि संसार को बढ़ाने के लिए मनुष्य की इच्छा कभी पूरी होती ही नहीं है। निर्धन धनवान बनना चाहता है, धनवान राजा बनना चाहता है, राजा वासुदेव बनना चाहता है और वासुदेव चक्रवर्ती बनना चाहता है और चक्रवर्ती इंद्र बनना चाहता है। बस इस चाहना चाहना के चक्कर में अपना पूरा जीवन व्यतीत कर देता है लेकिन उसको तृप्ति नहीं होती है। अगर जो चाह रहा है वह पूरी भी हो जाए तो भी उसको तृप्ति नहीं होगी इसीलिए अगर तृप्त रहना है तो संतोषी बनिए या संत बन जाइए आपको परम शांति का अनुभव होगा सुख का अनुभव होगा और परमानंद प्राप्त होगा। चार खड्डे ऐसे हैं जो कभी भरते ही नहीं लाखों, करोड़ों वर्ष हो गए हैं परंतु यह चार खड्डे कभी भरे ही नहीं। चार खड्डे में पहला पेट का खड्डा। आज तक लाखों टन अनाज खा चुके हैं परंतु कभी पेट भरा ही नहीं। अगर सुबह भरा तो दोपहर को भूख लग जाएगी और दोपहर को भरा तो रात को भूख लग जाएगी। इसी प्रकार समुद्र का खड्डा समुद्र में अनेक नदियां आकर मिलती हैं परंतु समुद्र कभी आज दिन तक भरा ही नहीं। उसी प्रकार शमशान का खड्डा आज दिन तक करोड़ों लाशें शमशान में पहुंच चुकी है परंतु शमशान का खड्डा आज भी खाली है। उसी प्रकार इच्छाएं कभी पूरी हुई नहीं और कभी पूरी होगी भी नहीं आज भी मनुष्य दिन रात दौड़ता है। दौड़ते दौड़ते पूरी उम्र बिता देता है परंतु इच्छाए पूरी नहीं हुई। इंसान को चाहिए दो रोटी एक लंगोटी और रहने के लिए एक मकान फिर भी पूरी दुनिया का धन कमाने कि सोचता है पड़ोसी कमाता है पड़ोसी के पास गाड़ी है बंगला है आभूषण है मेरे पास क्यों नहीं बस ऐसा ही सोचते सोचते एक दिन वह अपनी जीवन लीला समाप्त कर देता है। परंतु उसको सुख का अनुभव होता ही नहीं तथा हर समय दुख का अनुभव करते हुए असंतोष के घाव से पीड़ित होते हुए दुर्गति को प्राप्त करता है। आवश्यकता से अधिक धन मनुष्य को कभी सुख नहीं दे सकती है। आज की धर्म सभा मे आस पास के अनेक क्षेत्रों से श्रद्धालु उपस्थित थे यह जानकारी पुरुषवाक्कम संघ के अध्यक्ष विनयचन्द पावेचा ने दी।

धम्म जागरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु। यहां के राजाजीनगर तेरापंथ युवक परिषद द्वारा राजाजीनगर सभा ट्रस्ट के ट्रस्टी देवेन्द्र गुलगुलिया के निवास पर 11 की तपस्या के मौके पर भिक्षु श्रद्धा स्वर टीम द्वारा धम्म जागरण का आयोजन किया गया। टीम के सदस्य संजय मांडोत एवं चेतन गाधी द्वारा भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी गई।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.